हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 209 बेमेतरा, मंगलवार 24 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

युद्ध के बीच लोकसभा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कोरोना के समय की तरह ही हमें तैयार रहने की जरूरत...

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि कोरोना के समय हम एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। हमें फिर से उसी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता है। धीरज के साथ, संयम के साथ, शांत मन से हमें हर चुनौती का मुकाबला करना है। यही हमारी पहचान है, यही हमारी ताकत है। हमें बहुत सावधान और सतर्क भी रहना है। पीएम मोदी ने कहा कि हालात का फायदा उठाने वाले झूठ फैलाने का प्रयास करेंगे। ऐसे लोगों की कोशिशों को सफल नहीं होने देना है। उन्होंने आगे कहा कि मैं देश की सभी राज्य सरकारों से भी इस सदन के माध्यम से आग्रह करूंगा कि ऐसे समय में कालाबाजारी करने वाले जमाखोरी करने वाले सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए कड़ी निगरानी की जरूरत है। जहां से भी ऐसी शिकायत आती है, वहां त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि संकट की स्थिति में भारतीयों की सुरक्षा हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता रही है। पश्चिम एशिया युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3.72 लाख से

अधिक भारतीय सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। ईरान से एक हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। इनमें 700 से अधिक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं। खाड़ी के देशों में हजारों भारतीय विद्यार्थी पढ़ते हैं। सीबीएसई ने ऐसे सभी भारतीय स्कूलों में होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। छात्रों की पढ़ाई लगातार चलती रहे इसके लिए सीबीएसई उचित कदम उठा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि प्रभावित देशों में हमारे जितने भी मिशन हैं, वह लगातार भारतीयों की मदद में जुटे हैं। वहां काम करने वाले भारतीय हों या टूरिस्ट हों, सभी को हरसंभव मदद दी जा रही है। हमारे मिशन नियमित रूप से एडवाइजरी जारी कर रहे हैं। यहां भारत और अन्य प्रभावित देशों में 24 घंटे कंट्रोल रूम और आपातकालीन हेल्पलाइन जारी की गई हैं। सभी भारतीयों को त्वरित जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि देश की हर सरकार और देश का हर नागरिक जब मिलकर चलेंगे तो हम हर चुनौती को चुनौती दे सकते हैं। इसी आग्रह के साथ मैं अपना वक्तव्य समाप्त करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाया जा चुका है।

ईंधन संकट पर पीएम मोदी को मिला विपक्ष का साथ.. प्रियंका चतुर्वेदी ने थपथपाई सरकार की पीठ

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और संभावित ईंधन संकट के बीच सरकार की सक्रियता पर अब विपक्ष से भी समर्थन के सुर सुनाई दे रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन आपूर्ति को लेकर हुई अहम बैठक की सराहना करते हुए इसे बहुत जरूरी कदम बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए ऐसी तैयारियां जरूरी हैं, ताकि देश में ईंधन की कमी और कीमतों पर असर को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी इस संकट को लेकर एक्टिव हैं। वह कभी ईरान के राष्ट्रपति से संपर्क कर रहे हैं, तो वहीं इजरायल और अमेरिका से भी इस मसले पर बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिल ईस्ट संकट का असर भारत पर भी दिखाई दे रहा है। देश में होटल तो खुले हैं लेकिन एलपीजी की कमी के कारण आइटम्स कम हो गए हैं। उन्होंने कहा कि तीसरा हफ्ता हो गया है युद्ध को लेकिन शांति के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

पहला कॉलम

होर्मुज संकट के बीच भारत ने अमेरिका से एलपीजी मंगाकर सप्लाई सुरक्षित की

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और ईरान, इजरायल तथा अमेरिका के बीच जारी संघर्ष का असर अब वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति पर साफ दिखने लगा है। खास तौर पर होर्मुज की खाड़ी, जो दुनिया के करीब 20त तेल और गैस परिवहन का मुख्य मार्ग है, इस समय संकट के केंद्र में है। ईरान की धमकी के बाद कई जहाज इस रास्ते पर रुक गए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हुआ है। इस स्थिति का असर भारत पर भी पड़ सकता था, क्योंकि देश की बड़ी मात्रा में गैस आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। हालांकि, भारत ने समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था कर ली। भारत ने अमेरिका से एलपीजी आयात बढ़ाने का फैसला लिया, जिसके तहत टेक्सास से रवाना हुआ जहाज रविवार को मंगलुरु बंदरगाह पहुंच गया। इसके अलावा 25 मार्च को करीब 26,687 टन गैस लेकर पहुंचेगा, जो इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम के लिए होगी। वहीं 29 मार्च को एक और जहाज लगभग 30,000 टन गैस लेकर आएगा, जो एचपीसीएल के लिए निर्धारित है।

ईरान से पाबंदी हटने पर भारत का कम हो सकता है तेल संकट

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा ईरान के तेल निर्यात पर पाबंदी हटाने के ऐलान से वैश्विक तेल संकट कम करने में मदद मिल सकती है। भले ही यह सीमित वक्त के लिए हो, लेकिन मुश्किल हालात में इससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल के दामों को कम करने में मदद मिलेगी। भारत को भी अपने ऊर्जा संकट से निपटने में इस फैसले कुछ राहत मिल सकती है। इसकी एक वजह यह भी है कि भारत की तेल रिफाइनरियों के पास कच्चे तेल को प्रोसेस करने की उच्च तकनीक व लॉजिस्टिक क्षमता है और वे काफी समय से रूसी तेल को प्रोसेस करने में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। भारत अभी ऊर्जा का 85 प्रतिशत विभिन्न देशों से आयात करता है। वर्ष 2018-19 में भारत के कुल क्रूड ऑयल आयात में ईरान की हिस्सेदारी 10.6 प्रतिशत होती थी। जब 2019 में अमेरिका ने ईरान पर व्यापारिक प्रतिबंध लगाए तो उसके बाद से भारत का आयात कम होता चला गया और अब मामूली व्यापार रह गया है।

उज्जैन के वेद विद्या संस्थान में वार्डन की बर्बरता, नाबालिग छात्र की पिटाई का वीडियो वायरल

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान से एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है। यहां कैंपस के भीतर एक वार्डन द्वारा नाबालिग छात्र की बेरहमी से पिटाई किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बताया जा रहा है कि यह घटना चिंतामन गणेश मंदिर रोड स्थित संस्थान परिसर की है। वायरल वीडियो में वार्डन, जिसकी पहचान दत्ता दास शेवड़े के रूप में हुई है, छात्र को लाठी से लगातार मारते हुए नजर आ रहा है। इस दौरान छात्र दर्द से चीखता और कराहता दिखाई दे रहा है। जानकारी के मुताबिक, वार्डन छात्र से अनुशासन से जुड़े एक मामले में पूछताछ कर रहा था।

यूजीसी और केंद्र को नोटिस

यूजीसी और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ दायर की गई याचिका पर केंद्र सरकार, यूजीसी और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ने मूल याचिका के साथ टैग कर दिया है। याचिका भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने यूजीसी पर आरोप लगाया है कि इसके माध्यम से समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है। याचिका में यह भी कहा गया है कि जातिगत भेदभाव केवल आरक्षित वर्ग तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह किसी भी वर्ग के साथ हो सकता है, और इसलिए इसे कुछ समुदायों तक ही सीमित नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने 29 जनवरी को यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने) विनियमों पर रोक लगाई थी, जिन्हें 13 जनवरी को अधिसूचित किया गया था। अदालत ने इसे प्रारंभिक रूप से अस्पष्ट बताते हुए कहा था कि इसके बहुत व्यापक परिणाम हो सकते हैं और यह समाज को बांटने का कारण बन सकता है। इस फैसले के बाद, इन नियमों के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। हाल ही में, जयपुर में राजपूत करणी सेना ने यूजीसी के इन नए विनियमों के खिलाफ प्रदर्शन किया था । और इन नियमों को वापस लेने की मांग की थी। संगठन के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने कहा था कि वे युवाओं के साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं होने देंगे। याचिकाओं में यह आपत्ति उठाई गई है ।कि इन नियमों में जाति-आधारित भेदभाव केवल अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के सदस्यों तक ही सीमित किया गया है।

दिल्ली वालों को लगेगा बड़ा झटका!

अप्रैल से बढ़ सकते हैं बिजली के दाम सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में बिजली उपभोक्ताओं के लिए अप्रैल महंगाई का संकेत दे सकता है। अगले महीने से बिजली दरों (टैरिफ) में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। इसकी मुख्य वजह राज्य सरकार द्वारा बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) का लंबित बकाया चुकाने की तैयारी बताई जा रही है, जिसकी प्रक्रिया काफी हद तक आगे बढ़ चुकी है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली सरकार तीन डिस्कॉम बीआरपीएल बीवायपीएल और टीपीडीडीएल का करीब 38,000 करोड़ रुपये से अधिक बकाया चुकाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, उपभोक्ताओं पर असर कम करने के लिए सरकार बिजली दरों में संभावित बढ़ोतरी पर सब्सिडी देने की योजना भी बना रही है। पिछले साल अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि इन कंपनियों को सात साल के भीतर 27,200 करोड़ रुपये (वहन लागत सहित) की नियामक परिसंपत्तियों का भुगतान किया जाए। ये वे लागतें हैं, जिनकी वसूली भविष्य में की जानी है। आम आदमी पार्टी के शासनकाल में पिछले दशक में बिजली दरों में बढ़ोतरी नहीं होने के कारण यह बकाया लगातार बढ़ता गया है। संभावित टैरिफ वृद्धि के बीच सरकार उपभोक्ताओं को राहत देने के विकल्पों पर भी विचार कर रही है।

पिछली आप सरकार से क्या कनेक्शन?

नियामक परिसंपत्तियां वे लागतें होती हैं जिनकी वसूली भविष्य में की जाती है। आम आदमी पार्टी के शासनकाल में पिछले दशक में बिजली दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई, जिसके कारण ये नियामक परिसंपत्तियां तेजी से बढ़ गईं। इससे डिस्कॉम (बिजली वितरण कंपनियों) पर वित्तीय दबाव बढ़ा और अब सरकार के लिए टैरिफमें वृद्धि करने का निर्णय लेना आवश्यक हो गया है। इस वजह से अनुमान है कि दिल्ली सरकार को बिजली दरों में बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है, हालांकि उपभोक्ताओं पर कम असर डालने के लिए सब्सिडी देने की योजना बनाई जा रही है।

युवक पर टूट पड़ा मधुमक्खियों का झुंड, जान बचाने के लिए बीच बाजार करना पड़ गया ये काम

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले से एक बेहद खौफनाक और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां के खेड़ी सांवलीगढ़ स्थित खेड़ी बस स्टैंड पर अचानक मधुमक्खियों के एक विशाल झुंड ने हमला कर दिया, जिससे पूरे इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई। बीच बाजार में मधुमक्खियों ने एक युवक को अपना निशाना बनाया और उस पर इस कदर टूट पड़ीं कि उसे अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा। जब बचने का कोई और रास्ता नहीं दिखा, तो युवक को मजबूरन पानी की टंकी में छलांग लगानी पड़ गई।

अब किसके भरोसे झामुमो की नई रणनीति

असम में झामुमो ने छोड़ा 'हाथ' का साथ,क्या हेमंत सोरेन का 'एकला चलो'वाला दांव बिगाड़ेगा कांग्रेस का खेल?

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के राज्य असम में चुनावी पारा चढ़ते ही एक बड़ी सियासी हलचल देखने को मिली है। झारखंड में साथ मिलकर सरकार चलाने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के रास्ते असम की धरती पर अलग हो गए हैं। सीट बंटवारे को लेकर मची खींचतान के बाद अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी ने अकेले ही चुनावी समर में उतरने का बड़ा फैसला लिया है। यह न केवल असम के समीकरणों को बदल सकती है, बल्कि इसका सीधा असर आने वाले समय में झारखंड की अंदरूनी राजनीति पर भी पड़ना तय माना जा रहा है।काफी समय से कयास लगाए जा रहे थे कि विपक्षी दल एक मजबूत गठबंधन के साथ बीजेपी के सामने खड़े होंगे। इसी सिलसिले में रांची से लेकर दिल्ली तक बैठकों का कई दौर चला। खुद असम कांग्रेस के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह और गौरव गोगोई ने हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। बात यहीं नहीं रुकी, सोरेन खुद दिल्ली जाकर कांग्रेस आलाकमान से भी मिले, लेकिन हफ्तों की माथापच्ची के बाद भी सीटों के गणित पर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। अंततः, झामुमो ने हार मानकर अपने 19 उम्मीदवारों की सूची फाइनल कर दी है और उन्हें पार्टी का पारंपरिक चुनाव चिन्ह 'तीर-कमान' भी सौंप दिया गया है। झामुमो की इस अकेले चलने की जिद के पीछे एक सोची-समझी चुनावी रणनीति छिपी है। पार्टी का मुख्य ध्यान असम के उन इलाकों पर है जहां चाय बागानों में काम करने वाले लोग और आदिवासी समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। इन समुदायों के साथ पार्टी का पुराना जड़ाव रहा है और उसे उम्मीद है कि यह वोट बैंक उसे जीत दिलाने में मदद करेगा। माजबत विधानसभा सीट से प्रीति रेखा बरला और सोनारी से बलदेव तेली जैसे चेहरों को उतारकर झामुमो ने यह साफकर दिया है कि वह पूरी तैयारी के साथ मैदान में है।

शिबपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रुद्रनील घोष हावड़ा में घर घर जाकर प्रचार अभियान के दौरान एक महिला से बातचीत करते हुए।

इन 7 दिग्गजों पर लगाया दांव

कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की लिस्ट

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने उम्मीदवारों की पांचवी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 7 विधानसभा सीटों के लिए विधायक उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। इस लिस्ट में गोस्साईगांव से जोसेफ हासदा, दोतमा से बिरकांग बोरो, बिजनी विधानसभा क्षेत्र से रजत कांति साहा का नाम शामिल है। इसके अलावा भेरगांव से अंचुला ग्वारा दैईमैरी, मजबात से नारायण अधिकारी, हैफ्लांग से निर्मल लांगथासा और खैतीगोराह से अमर चंद जैन को उम्मीदवार बनाया गया है। 126 सीटों वाली असम विधानसभा के लिए कांग्रेस पार्टी ने अभी तक उम्मीदवारों की पांच लिस्ट जारी की हैं। इनमें पहली लिस्ट में 42 उम्मीदवार दूसरी में 23, तीसरी में 22 और चौथी में 7 के नाम सामने आए थे। विधानसभा चुनाव के लिए अभी तक कांग्रेस पार्टी ने 100 से ज्यादा उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं।

प्रयागराज में बड़ा हादसा

अमोनिया टैंक फटने से कोल्ड स्टोरेज धराशायी,चार की मौत

प्रयागराज/ एजेंसी

फाफामऊ क्षेत्र के चंदापुर में प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर स्थित सपा नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद का कोल्ड स्टोरेज तेज धमाके के साथ धराशायी हो गया। अमोनिया गैस टैंक फटने के चलते यह हादसा हुआ है। मलबे में डेढ़ दर्जन से अधिक मजदूर दब गए। आनन फानन में सभी को बाहर निकाला गया। इसमें चार मजदूरों के मौत की बात कही जा रही है। छह की हालत नाजुक बताई जा रही है। जिले भर की एंबुलेंस को राहत बचाव कार्य में लगाया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरफ की टीम रेस्क्यू आपरेशन में जुटी है।हादसे के चलते मलाक हरहर में लखनऊ हाईवे पर वाहनों का आवागमन ठप हो गया है। मौके पर जिलाधिकारी मनीष कुमा वर्मा, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मलबे में डेढ़ दर्जन से अधिक लोग दब गए। घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से एसआरएन अस्पताल पहुंचाया गया है। फाफामऊ समेत आसपास के कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि मौके से निकाले गए चार मजदूरों की हालत नाजुक बनी हुई है। मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम बचाव कार्य में जुट गई है। दर्जन भर से अधिक जेसीबी मलबो को हटाकर दबे हुए लोगों को खोज रही है। शाम सवा चार बजे तक तीन शव निकाले जा चुके हैं। सभी मजदूर बिहार के सहरसा जिले के बताए जा रहे हैं। एक मृतक की पहचान सहरसा के ज्योतिष के रूप में हुई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुए हादसे पर दुख जताया है। पीएम ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हों। पीएमएनआरएफ से हर मृतक के परिवार वालों को दो लाख रुपये की मदद दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। जनपद प्रयागराज के कोल्ड स्टोरेज में हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के कोल्ड स्टोरेज में हुई भीषण दुर्घटना को हृदय विदारक बताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली जिंदगी: उर्मिला बाई की सफलता की प्रेरक कहानी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह योजना उन परिवारों को सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो वर्षों से कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। जिले के जनपद पंचायत बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत भोड़नामाठ की हितग्राही उर्मिला बाई की कहानी भी इस योजना की सफलता और प्रभाव का एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आई है। हितग्राही उर्मिला बाई, सामाजिक वर्ग ÷अन्य÷, पीएमएवाई (ग्रामीण) आईडी छ्ग2805789 से वर्ष 2024-25 में इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। वे अपने परिवार के साथ लंबे समय से दो कमरों के जर्जर कच्चे मकान में रह रही थीं। बरसात के मौसम में मकान में पानी टपकना, दीवारों का कमजोर होना, तथा सुरक्षित आवास की कमी उनके परिवार के लिए हमेशा चिंता का कारण बनी रहती थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे स्वयं पक्का मकान बनवाने में असमर्थ थीं और मजदूरी एवं खेती पर निर्भर रहकर किसी तरह परिवार का पालन-पोषण कर रही थीं। ऐसे कठिन समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई। ग्राम पंचायत में जब योजना की पात्रता सूची जारी हुई, तब उर्मिला बाई का नाम उसमें शामिल पाया गया। इसके बाद उन्हें शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत आवास निर्माण की स्वीकृति मिली। प्रशासन और पंचायत स्तर पर समय-समय पर मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और निर्माण कार्यों की निगरानी के कारण उनका आवास समय पर पूरा हो सका। आज उर्मिला बाई का सपना साकार हो चुका है। वे अपने परिवार के साथ एक सुंदर, सुरक्षित और मजबूत पक्के मकान में निवास कर रही हैं। नए घर ने उनके परिवार को न केवल सुरक्षा दी है, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान की भावना भी बढ़ाई है। पहले जहां बारिश और मौसम की मार का डर बना रहता था, वहीं अब उनका परिवार सुरक्षित वातावरण में रह रहा है और बच्चों को भी बेहतर माहौल मिल रहा है। उर्मिला बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए भारत सरकार और राज्य शासन के साथ-साथ जिला प्रशासन, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए एक बड़ी मदद है, जिससे उनका वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ है। उनकी यह कहानी अन्य पात्र परिवारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही है और यह दर्शाती है कि शासन की योजनाएं वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंच रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके और कोई भी परिवार पक्के मकान से वंचित न रहे। उमिला बाई की यह सफलता कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही योजना, पारदर्शी प्रक्रिया और प्रशासनिक सक्रियता से ग्रामीण विकास को नई दिशा दी जा सकती है।

नवभारत साक्षरता अभियान: बैजी में 22 असाक्षर लोगों ने दी महापरीक्षा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय प्राथमिक शाला बैजी, विकासखंड बेमेतरा में बीते रविवार को नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रव्यापी ÷उल्लास योजना÷ के तहत महापरीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में ग्राम के कुल 22 असाक्षर महिला एवं पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें महिलाओं की संख्या विशेष रूप से अधिक रही।कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के प्रधान पाठक एवं केंद्राध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे द्वारा सभी प्रतिभागियों का पेन वितरण एवं गुलाल लगाकर स्वागत के साथ की गई। इसके बाद प्रशिक्षार्थियों को उनकी सुविधा अनुसार कतारबद्ध कर कक्ष में बैठाया गया, जहां पेयजल सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। परीक्षा के दौरान सभी पंजीकृत प्रशिक्षार्थी शत-प्रतिशत उपस्थित रहे। प्रतिभागियों एवं आगंतुकों के लिए नाश्ता, फल एवं भोजन की भी व्यवस्था की गई थी। शिक्षा विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार दिल्ली एवं दुर्ग से निरीक्षण टीम के आने की संभावना थी, किन्तु किसी कारणवश वे उपस्थित नहीं हो सके।इस दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती कामिनी महिलांग एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राजेंद्र साहू निरीक्षण हेतु पहुंचे, जिनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने परीक्षा की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया।संकुल समन्वयक इमरान अब्दुल खान ने सुबह से ही व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं स्वयंसेवी शिक्षक नितेश कुमार यदु एवं डोमन वर्मा ने भी आयोजन में सक्रिय सहयोग दिया।कार्यक्रम की सफलता में शाला स्टाफ – शत्रुघ्न साहू, उनीशा सिंह, भारती वर्मा, शाला विकास प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गितेश्वर वर्मा, उपसरपंच प्रेमु वर्मा, रसोईया राधा वर्मा, मंजू यादव एवं सफाई कर्मचारी हरिश्चंद्र यादव का विशेष योगदान रहा। अंत में प्रधान पाठक ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे ने सभी सहयोगियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

फरार आरोपी को अंतागढ़ पुलिस ने दूसरे राज्य से दबोचा; कर्नाटक में छिपा था दुष्कर्म का आरोपी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ -उत्तर बस्तर कांकेर की अंतागढ़ पुलिस ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को कर्नाटक से गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी ने अपराध करने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए दूसरे राज्य में शरण ली थी, लेकिन पुलिस की सक्रियता और तकनीकी साक्ष्यों ने उसे सलाखों के पीछे पहुँचा दिया।जानकारी के अनुसार, 22 जनवरी 2026 को पीड़िता के पिता ने थाना अंतागढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी ने उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर अपराध क्रमांक 04/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (ब्हृस्) की धारा 64(1), 64(2), (रू) और पाक्सो एक्ट (04, 06) के तहत कार्रवाई शुरू की।पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक राखेचा के कड़े निर्देश और साइबर नोडल एएसपी दिनेश कुमार सिन्हा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों और साइबर सेल की मदद से आरोपी की लोकेशन कर्नाटक राज्य में मिली। पुलिस टीम ने तत्काल वहां दबिश देकर आरोपी मनसाय पुड़ो उर्फ समीर (23 वर्ष), निवासी मंगहुर को हिरासत में लिया।पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने और खुद को बचाने के लिए पीड़िता पर दबाव बनाकर किसी अन्य व्यक्ति का नाम केस में फँसाने की कोशिश भी की थी, लेकिन पुलिस की सतर्कता से उसकी यह चाल नाकाम रही। आरोपी को 22 मार्च 2026 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भानुप्रतापपुर में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक अभिरक्षा (जेल) में भेज दिया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी अंतागढ़ निरीक्षक रमेश जायसवाल, उप निरीक्षक हेमलता परिहार, सउनि कंवल ठाकुर, आरक्षक रोशन नेताम, साइबर सेल से प्रणय यादव और प्रधान आरक्षक मोहरू राम नेताम की मुख्य भूमिका रही।

गुण्डेपुरी में पुलिस-ग्रामीण संवाद, 300 लोग जुटे; हिंसा छोड़ मुख्यधारा में लौटने की अपील

सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम में शिक्षा, रोजगार और योजनाओं की दी जानकारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

फरसेगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गुण्डेपुरी में रविवार को सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के चार गांवों के करीब 300 ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम में पुलिस और ग्रामीणों के बीच सीधा संवाद हुआ, जिसमें लोगों ने अपनी बात खुलकर रखी।कार्यक्रम में गुण्डेपुरी के साथ गुरतुल, ओडरी और आदवाड़ा के ग्रामीण पहुंचे। जिला बल और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के जवान भी मौजूद रहे। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अमन कुमार लखीसरानी ने ग्रामीणों को शासन की योजनाओं, बच्चों की पढ़ाई, रोजगार और स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ तभी मिलेगा, जब लोग जागरूक होंगे और आगे बढ़कर हिस्सा लेंगे। साथ ही नक्सल संगठन में सक्रिय लोगों से अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर अपने परिवार के पास लौटें और सामान्य जीवन अपनाएं।कार्यक्रम में शामिल पुनर्वासित माओवादियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि जंगल का जीवन कठिन होता है और हिंसा से किसी का भला नहीं होता। उन्होंने अपने साथियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील की।इस दौरान जरूरतमंद ग्रामीणों को आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के अंत में कई ग्रामीणों ने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने और गांव के विकास कार्यों में भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। यह आयोजन क्षेत्र में पुलिस और ग्रामीणों के बीच भरोसा मजबूत करने की दिशा में अहम पहल माना जा रहा है।

ग्रामीण प्रतिभा की चमक गुरुकुल पब्लिक स्कूल के छात्र प्रिंस राज का नवोदय विद्यालय में चयन

अम्बिकापुर /मूक पत्रिका

अम्बिकापुर विकासखंड के सुदूर ग्रामीण अंचल रजपूरीखुर्द स्थित गुरुकुल पब्लिक स्कूल के मेधावी छात्र प्रिंस राज राजवाड़े ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। प्रिंस राज, पिता गया राम राजवाड़े एवं माता कदम राजवाड़े के सुपुत्र हैं।विद्यालय की प्राचार्य खुशबु प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम की उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या 200 से अधिक हो चुकी है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने आगे बताया कि विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जाती है। इसी का परिणाम है कि कम समय में ही विद्यालय ने यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। विशेष बात यह रही कि प्रिंस राज राजवाड़े ने बिना किसी बाहरी कोचिंग के, केवल विद्यालय की पढ़ाई और स्वाध्याय के माध्यम से यह सफलता प्राप्त की है।विद्यालय परिवार ने प्रिंस राज को उनकी इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है, साथ ही आने वाले वर्षों में और अधिक विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने का संकल्प भी दोहराया है।

विधायक लता उसेंडी ने 84 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन, 8 पंचायतों को मिली सौगात

कोण्डागांव/मूक पत्रिका

क्षेत्र के ग्राम रांधना में बीते सोमवार को विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विधायक सुश्री लता उसेंडी ने 84 लाख रुपये से अधिक लागत के 12 विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों के अंतर्गत 8 पंचायतों में बुनियादी सुविधाओं से जुड़े निर्माण शामिल हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उसेंडी ने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि केंद्र में नरेंद्र मोदी एवं राज्य में विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं, जैसे महतारी वंदन योजना एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, सीधे हितग्राहियों तक पहुंच रही हैं। इससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि जब ग्रामीण आर्थिक रूप से सशक्त होंगे, तभी गांव, राज्य और देश की प्रगति संभव है। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जुगबती पोयाम एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती भगवती नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधन दिया। इस दौरान संजू ग्वाल, चंदन साहू, बालकुंवर प्रधान, अनिल अग्रवाल, लक्ष्मीनाथ शोरी, सुकराम मरकाम, कृष्णा पोयाम सहित अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जंगल से भटककर मड़वा पहुंचा 12 सिंगा हिरण, वन विभाग ने किया सफल रेस्क्यू

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के लछनपुर क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब जंगल से भटककर एक 12 सिंगा (बारहसिंगा) हिरण गांव की आबादी में पहुंच गया। हिरण के दिखाई देने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 10 बजे मड़वा प्लांट से लगे ग्राम लछनपुर स्थित दंतेश्वरी मंदिर के पास हिरण देखा गया। ग्रामीणों की भीड़ और शोरगुल से घबराकर हिरण इधर-उधर दौड़ने लगा और भटकते हुए मड़वा प्लांट कॉलोनी की ओर पहुंच गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद वन विभाग ने प्लांट कॉलोनी से कुछ दूरी पर स्थित भूनंदी नाला के पास हिरण को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। वन अधिकारियों ने बताया कि रेस्क्यू किया गया हिरण 12 सिंगा (बारहसिंगा) प्रजाति का है। रेस्क्यू के बाद हिरण को उपचार के लिए बलौदा स्थित वन नर्सरी भेजा गया है। वन विभाग के अनुसार, चिकित्सकीय परीक्षण और उपचार के बाद हिरण को सुरक्षित प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा जाएगा। संभावना जताई जा रही है कि उसे कानन पेंडारी अथवा किसी सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा जा सकता है। ग्राम लछनपुर के सरपंच गेंदराम कुर्रे और पंच शुभम राजपूत ने बताया कि हिरण के गांव में पहुंचने की जानकारी मिलते ही तत्काल वन विभाग को सूचित किया गया, जिसके बाद विभागीय टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से सफल रेस्क्यू किया।वन विभाग ने इस पूरे अभियान में स्थानीय ग्रामीणों की सतर्कता और सहयोग की सराहना की है।

मंत्री केदार कश्यप ने 1 लाख के पुरस्कार से किया सम्मानित

बस्तर हेरिटेज मैराथन में कांकेर के आरक्षक भावेश सलाम ने 21 KM की रेस में मारी बाजी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-जगदलपुर बस्तर की गौरवशाली संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देने के लिए आयोजित 'बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026' में उत्तर बस्तर कांकेर के जांबाज जवान ने सफलता का परचम लहराया है। कांकेर पुलिस के आरक्षक भावेश कुमार सलाम ने 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया है।

9000 से अधिक धावकों को पछाड़कर बने विजेता

22 मार्च 2026 को जगदलपुर में आयोजित इस प्रतिष्ठित दौड़ में देश-विदेश और बस्तर संभाग के कुल 9,235 एथलीट्स ने भाग लिया था। कड़े मुकाबले के बीच, आरक्षक भावेश सलाम ने अपनी अद्भुत शारीरिक क्षमता और इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करते हुए 21 किलोमीटर की दूरी मात्र 1 घंटे 08 मिनट में पूरी की।

पुरस्कार और सम्मान-भावेश की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने उन्हें ?1,00,000 (एक लाख रुपये) की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल कुमार राखेचा (भा.पु.से.) ने आरक्षक भावेश सलाम और डीएसएफ आरक्षक 2354 साव जी कोला को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है। यह सफलता भावेश के कठोर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का प्रतिफल है। यह न केवल पुलिस विभाग बल्कि पूरे कांकेर जिले के लिए गर्व का विषय है। इससे क्षेत्र के युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरणा मिलेगी।÷निखिल कुमार राखेचा, एसपी कांकेरमुख्य आकर्षण:दौड़ का मार्ग: लालबाग से चित्रकोट पोटानार तक।-सहभागिता: 8,127 स्थानीय और सैकड़ों अंतर्राष्ट्रीय धावक कांकेर पुलिस ने भावेश के उज्जवल भविष्य की कामना की है और उम्मीद जताई है कि वे आगे भी इसी तरह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करते रहेंगे।

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ग्राम पंचायत गंगपुर (पोस्ट बेमेतरा) के ग्रामीणों ने शासकीय भूमि पर हो रहे अवैध कब्जे को लेकर जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर गोठान, चारागाह, घास भूमि, खेल मैदान एवं श्मशान जैसी सार्वजनिक उपयोग की जमीनों को अतिक्रमण से मुक्त कराने की गुहार लगाई है।ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि गांव में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार शासकीय भूमि पर कब्जा कर निर्माण कार्य एवं खेती की जा रही है। कई बार प्रशासन को शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है।बताया गया कि दिनांक 17 मार्च 2026 को ग्रामवासियों की बैठक आयोजित कर इस मुद्दे पर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने का निर्णय लिया गया। इससे पहले भी 1 अक्टूबर 2025 सहित कई बार आवेदन प्रस्तुत किए जा चुके हैं।ग्रामीणों ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि वर्ष 2022 में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का पंचनामा भी बनाया गया था, लेकिन उसके बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। अब पुनः प्रशासन से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो पशुओं के लिए चारागाह और बच्चों के लिए खेल मैदान की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।ग्रामीणों ने कलेक्टर से शीघ्र हस्तक्षेप कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने और दोषियों पर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

लो वोल्टेज और अघोषित बिजली कटौती से परेशान किसानों का फुटा गुस्सा, विद्युत विभाग की शवयात्रा निकालकर किया प्रदर्शन..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरिया तहसील में आज सोमवार को किसानों का गुस्सा सड़कों पर साफ नजर आया। आंचलिक किसान संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में किसानों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए विद्युत विभाग की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली। लगातार लो वोल्टेज, अघोषित बिजली कटौती और 132 केवी सब स्टेशन शुरू नहीं होने से नाराज किसानों ने अनोखे अंदाज में अपना विरोध दर्ज कराया, जिससे पूरे क्षेत्र में हलचल मच गई।

माली भवन से शुरू होकर सब स्टेशन तक पहुंचा प्रदर्शन-प्रदर्शन की शुरुआत सरिया के सामुदायिक भवन माली समाज से हुई, जहां से किसान शव यात्रा लेकर गांधी चौक और अटल चौक होते हुए बिजली सब स्टेशन तक पहुंचे। इस दौरान किसानों ने जमकर नारेबाजी की। ÷राम नाम सत्य है, विद्युत मंडल मस्त है, किसान भाई त्रस्त है÷ जैसे नारों से माहौल गूंज उठा। सब स्टेशन पहुंचकर किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर विभाग के खिलाफ आक्रोश जताया।

पहले भी दी जा चुकी थी चेतावनी, नहीं हुआ समाधान-किसानों का कहना है कि वे पहले भी कई बार ज्ञापन दे चुके हैं और धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। अघोषित बिजली कटौती और लो वोल्टेज के कारण खेती का काम बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। 132 केवी सब स्टेशन को जल्द शुरू करने की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे किसानों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है।

अधिकारियों के आश्वासन के बाद शांत हुआ आंदोलन-मौके पर तहसीलदार कोमल साहू, बिजली विभाग के ईई प्रकाश महानंदा और जेई मदन नायक पहुंचे और किसानों को समझाइश दी। अधिकारियों ने जल्द से जल्द समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया, जिसके बाद किसान शांत हुए और आंदोलन समाप्त किया गया। इस प्रदर्शन में मोहन पटेल, रूप पटेल, नरोत्तम प्रधान, सत्यानंद प्रधान, विक्रम गुप्ता, जीवर्धन प्रधान, हलधर अमूर्रा, खगेश्वर पटेल, नकुल पटेल, राजेश प्रधान, टीकम प्रधान, तुलसी पटेल, निखिल डनसेना समेत बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान शामिल रहे।

जनपद पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी कर रहे है जांच प्रतिवेदन देने मे आना-कानी

टारपाली पंचायत में फर्जी बिल के मामले मे मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने लिया संज्ञान, किया जांच टीम का गठन

फॉलोअप

रायगढ़/मूक पत्रिका

मामला ग्राम पंचायत टारपाली का है आवेदक द्वारा फर्जी बिल संबंधित शिकायत 31/01/26 को की गई थी फिर इस मामले मे मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा जांच टीम गठित की गई लेकिन बिडंबना यह है की लगभग डेढ़ माह बीत जाने के बाद आवेदक को जांच प्रतिवेदन देने के लिए आना-कानी की जा रही है

इससे क्या स्पष्ट होता है कि फर्जी बिल मामले में सरपंच व सचिव को खुला संरक्षण दिया जा रहा है खुला संरक्षण के कारण सरपंच सचिव के हौसले बुलंद है हैरानी की बात क्या है कि ग्राम पंचायत टारपाली में फर्जी बिल संबंधित भ्रष्टाचार को उजागर किया गया लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्णी निद्रा मे लिन है सवाल यह उठता है कि क्या इन भ्रष्टाचारियों को जनपद पंचायत के उच्च अधिकारी का संरक्षण प्राप्त है या फिर जनपद पंचायत के अधिकारियों के द्वारा अपने कर्मचारियों व सरपंच को बचाया जा रहा है शिकायत के बावजूद जांच प्रतिवेदन देने में आना-कानी करना समझ से परे है यह जनपद पंचायत के कार्य प्रणाली पर गलत संदेश पैदा करता है यह मामला केवल अनियमित का नहीं है बल्कि ग्रामीण के विकास के साथ धोखाधड़ी का है क्या जनपद पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को संज्ञान में लेकर निष्पक्ष जांच करेंगे या फिर तरपाली पंचायत के भ्रष्टाचारियों को भी अन्य पंचायतो की तरह अभयदान देकर इस मामले को दबा दिया जायेगा. बहरहाल आगे यहां देखना होगा कि संबंधित जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में आवेदक को जांच प्रतिवेदन कब तक देते हैं व जिम्मेदार अधिकारी फिल्म भ्रष्टाचारियों के ऊपर कब और किस प्रकार के कार्यवाही करते हैं

बरमकेला ब्लॉक के कान्दुरपाली में मनाया गया विश्व जल दिवस

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत विकासखंड बरमकेला के ग्राम पंचायत कान्दुरपाली में रविवार को विश्व जल दिवस का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से शुरू होकर विश्व जल दिवस तक चलने वाले इस जल महोत्सव में जल वाहनियों एवं पंप ऑपरेटरों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण,सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल के प्रति लोगों को जागरूक किया गया, जिसमें ग्राम की महिलाओं, स्व-सहायता समूह की सदस्यों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जनप्रतिनिधियों ने अपने उद्बोधन में जल के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे ने उपस्थित सभी को जल शपथ दिलाया। जल महोत्सव हर घर जल अर्पण में ग्राम पंचायत सरपंच को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर हस्तांतरित किया गया। विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की स्वच्छता तथा जल का विवेकपूर्ण उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। विभाग द्वारा जल वाहिनी महिलाओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मान किया गया। स्कूल की विद्यार्थियों द्वारा आज विश्व जल दिवस पर रंगोली बनाया गया था जिससे अतिथियों द्वारा अवलोकन कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, उपाध्यक्ष अजय नायक, सदस्य सहोद्रा सिदार, बरमकेला जनपद अध्यक्ष डॉ विद्या चौहान, रायगढ़ सांसद प्रतिनिधि अरुण गुड्डू, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी अभियंता रमाशंकर कश्यप, सहायक अभियंता बी एल खरे, उप अभियंता के आर सूर्यवंशी, सरपंच, गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कक्षा 1 के लिए ऑनलाइन, कक्षा 2 से ऊपर के लिए ऑफलाइन पंजीयन; 2 अप्रैल तक आवेदन का मौका

केन्द्रीय विद्यालय बीजापुर में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

बीजापुर/मूक पत्रिका

केन्द्रीय विद्यालय बीजापुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 1 से 5 तक प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा जारी जानकारी के अनुसार कक्षा प्रथम में 80 सीटों पर प्रवेश के लिए अभिभावकों को ऑनलाइन पंजीयन करना अनिवार्य होगा। अभिभावक https://admission.kvs.gov.in? पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

वहीं कक्षा दूसरी से पांचवीं तक प्रत्येक कक्षा में 40-40 सीटों के लिए ऑफलाइन पंजीयन की व्यवस्था रखी गई है। इन कक्षाओं में प्रवेश के इच्छुक अभिभावकों को विद्यालय पहुंचकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। प्रवेश हेतु पंजीयन 20 मार्च 2026 को प्रातः 10 बजे से शुरू हो चुका है, जिसकी अंतिम तिथि 2 अप्रैल 2026 दोपहर 1 बजे निर्धारित की गई है। विद्यालय के प्रभारी प्रिंसिपल ने बताया कि सीमित सीटों के चलते अभिभावकों के पास अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने का यह अच्छा अवसर है। उन्होंने सभी इच्छुक अभिभावकों से अपील की है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर ही पंजीयन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर गोपालपुर के डॉक्टर ने 24 घंटे के भीतर पांच बच्चों को कराया सुरक्षित जन्म

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ के गोपालपुर आयुष्मान आरोग्य मंदिर के टीम ने प्रसव में बड़ी सफलता हासिल की है,उपस्थित सभी डॉक्टरों ने अपनी कड़ी मेहनत व परिश्रम से 24 घंटा के भीतर पांच शिशु बच्चे को सुरक्षित जन्म कराने में कामयाबी हासिल की हैं,इस कामयाबी ने क्षेत्र वह जन्म देने वाली माताओ व शिशुओ के परिजनों को जिंदगी के अहम खुशी देने वाली समय लाया,बच्चों के इस जन्म से उनके परिजन खुश होकर मिठाई गली मोहल्ले मुस्कुराते हुए वितरण कर रहे हैं,पटाखे की आवाज पूरी गाँव गूंज रही है,आयुष्मान आरोग्य मंदिर गोपालपुर के प्रभारी सत्य प्रकाश चंद्रा व टीम ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि,हमारे पुरी टीम को बहुत खुशी हुई की हमारे कर्तव्य ने 24 घंटे के भीतर पांच बच्चों को जन्म कराया ,हमारा संघर्ष और कर्तव्य जनताओ के लिए इसी तरह से हमेशा जारी रहेगा ,ताकि बच्चे व जन्म देने वाले महतारी सुरक्षित रहे, प्रभारी सत्य प्रकाश चंद्रा व उसकी टीम ने बड़ी बात कही की,शिशु व महतारी सुरक्षित रहते हैं तो मुझे व पुरे टीम बहुत खुश रहते हैं।शिशु के जन्म लेता ही हम सभी मे खुशी का लहर दौड़ जाता हैं।

सालभर से चल रही थी अफीम की खेती, जिम्मेदार विभागों की लापरवाही उजागर

डेढ़ एकड़ जमीन पर अफीम की फसल, लेकिन रिकॉर्ड में नहीं दर्ज राजस्व और कृषि विभाग सवालों के घेरे में

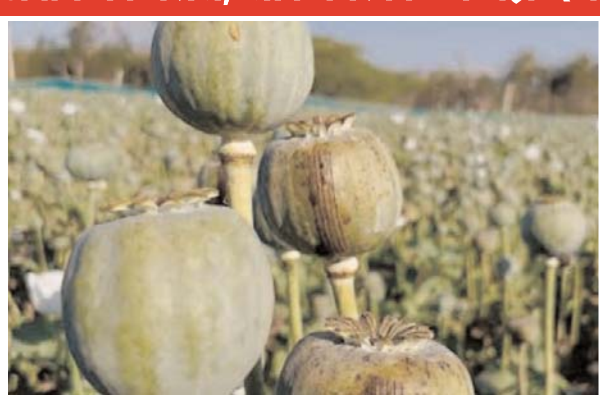

रायगढ़ /मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के तमनार क्षेत्र के आमाघाट में अवैध अफीम की खेती का बड़ा खुलासा होने के बाद प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिस डेढ़ एकड़ भूमि पर लंबे समय से अफीम की खेती हो रही थी, वहां की खसरों की गिरदावरी रिपोर्ट तक तैयार नहीं की गई। न तो डिजिटल क्रॉप सर्वे हुआ और न ही मैन्युअल रिकॉर्ड में किसी फसल का उल्लेख मिला, जिससे राजस्व और कृषि विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

सालभर तक चलती रही अवैध खेती, जिम्मेदार तंत्र को भनक तक नहीं लगी-जानकारी के अनुसार, इस जमीन पर करीब एक वर्ष से अफीम की खेती की जा रही थी, लेकिन संबंधित विभागों को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। सामान्यतः ग्राम स्तर पर पटवारी की निगरानी में सर्वेक्षक नियुक्त किए जाते हैं, जो डिजिटल क्रॉप सर्वे ऐप के माध्यम से फसलों का रिकॉर्ड तैयार करते हैं। इसके बावजूद इतनी बड़ी अवैध गतिविधि का सामने आना लापरवाही को उजागर करता है।

कार्रवाई में 2 करोड़ से अधिक की अफीम जब्त, खेत को किया गया समतल-पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अफीम के 60,326 पौधों को नष्ट किया, जिनका कुल वजन 2877 किलोग्राम और अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 90 लाख रुपए आंकी गई है। इसके अलावा, गिरफ्तार आरोपी मार्शल सांगा के ससुराल स्थित घर से 3.02 किलोग्राम अफीम (कीमत लगभग 15 लाख 10 हजार रुपए) भी जब्त की गई। इस प्रकार कुल जब्ती का आंकड़ा 2 करोड़ रुपए से अधिक का बताया जा रहा है।

गांव स्तर से लेकर जनप्रतिनिधियों तक सब अनजान, बीट प्रणाली की प्रभावशीलता पर उठे सवाल-आमाघाट में इतनी बड़ी अवैध खेती होने के बावजूद सरपंच, कोटवार, जनप्रतिनिधि और बीट प्रभारी सभी ने अनभिज्ञता जताई है। पुलिस द्वारा लगातार जन चौपाल और बीट प्रणाली को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं, इसके बावजूद इस तरह की घटना सामने आना व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है।

कृषि विभाग में मचा हड़कंप, बैठक में अधिकारियों को लगाई गई फटकार-मामले के खुलासे के बाद कृषि विभाग में हड़कंप मच गया। उप संचालक कृषि अनिल वर्मा ने तत्काल बैठक बुलाकर अधिकारियों से जवाब तलब किया और कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुलिस को जानकारी मिल सकती है, तो विभागीय अधिकारियों को इसकी भनक क्यों नहीं लगी।

तहसीलदार का स्पष्टीकरण—सर्वे के दौरान खेत में नहीं थी फसल, बाद में हुई बुवाई-तमनार तहसीलदार रिचा सिंह ने सफाई देते हुए बताया कि खरीफ सीजन (जुलाई-अगस्त) में जब सर्वे किया गया, तब संबंधित खसरों में कोई फसल नहीं थी। संभवतः नवंबर में बुवाई की गई, जिसके कारण यह अवैध खेती सर्वे में दर्ज नहीं हो सकी। वर्तमान में रबी फसलों का सर्वे जारी है।

प्रशासन के लिए चुनौती—लापरवाही पर होगी कार्रवाई या फिर दब जाएगा मामला?- अवैध अफीम की इतनी बड़ी खेती का सामने आना प्रशासनिक निगरानी और जिम्मेदारी तय करने की बड़ी चुनौती बन गया है। अब देखना होगा कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होती है या फिर यह मामला भी कागजों तक सीमित रह जाता है।

ग्राम बालपुर में पशु औषधालय का शुभारंभ एवं भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न,मुख्य अतिथि रहे चंद्रदेव राय

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ के ग्राम पंचायत बालपुर (विकासखंड बिलाईगढ़) में पशु औषधालय के शुभारंभ एवं भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल रहे पूर्व संसदीय सचिव विधायक चंद्रदेव राय ,इस अवसर पर पशुधन विभाग के उप संचालक सहित विभाग के डॉक्टर एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।यह कार्यक्रम ग्राम पंचायत बालपुर द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में चंद्रदेव राय (गुरुजी), अध्यक्षता सरपंच रोशन कुरे, विशिष्ट अतिथि उप सरपंच कैलाश राय, तथा उप संचालक एम.के. पांडेय उपस्थित रहे।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. वाई.के. साहू, राजकुमार साहू, डॉ. शोभित धृतलहरे, सुकांति धृतलहरे, डॉ. रविंद्र कूरे, अशोक साहू, परमानंद साहू, राजेश साहू, खेमराज चंद्रा, गोपाल चंद्रा, उमा चंद्रा, हरिविजय, कार्तिक निषाद, बाबूलाल चंद्रा, नर्मदा दुबे, बलराम कुरे, देवलाल लहरे, शंकर मति मनहर, उषा खूँटे, नहर बाई खूँटे, नवधा चौहान, नर्सिंग चंद्रा, भूनेश्वर यादव, बलराम कुर्रे, जगनाथिया साहू, शोभा श्रीवास, उमाकांत चंद्रा, रामाधर राजपूत, चंद्रकुमार यादव, सरपंच विशाल, मोनू, कृष्णा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।इस पशु औषधालय की स्वीकृति वर्ष 2023 में प्राप्त हुई थी, जिसका आज शुभारंभ हो पाया है। यह कार्य मेरे पूर्व कार्यकाल में स्वीकृत हुआ था, जिसे निरंतर प्रयास एवं अथक मेहनत के बाद प्रारंभ कराने का अवसर मिला। साथ ही भवन निर्माण हेतु पूर्व में स्वीकृत 15 लाख रुपये की लागत से बनने वाले भवन का भी विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस कार्य के शुरू होने से पूरे गांव में खुशी का माहौल है तथा पशुपालकों को अब अपने पशुओं के उपचार के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

निरीक्षण में मिले कर्मचारी अनुपस्थित दो को किया गया सेवा से बर्खास्त

कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने किया वहां विभाग का औचक निरीक्षण

रायगढ़/मूक पत्रिका

नगर निगम में कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कमिश्नर श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय द्वारा वाहन विभाग का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दो ड्राइवर बुधराम एवं दुर्गा शंकर को बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए, जिस पर कमिश्नर ने उन्हें तत्काल सेवा से मुक्त करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वाहन विभाग की उपस्थिति पंजी, वाहनों की स्थिति और संचालन व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनुपस्थित पाए गए दोनों ड्राइवरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल सेवा से पृथक करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने कहा की निगम का वाहन विभाग महत्वपूर्ण विभागों में से एक है। निगम क्षेत्र अंतर्गत संपूर्ण सफाई, कचरा का उठाव व्यवस्था से लेकर मरम्मत कार्य और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं से संबंधित कार्य किए जाते हैं। इसमें ड्राइवर एवं अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी शिफ्ट और रोस्टर अनुसार लगाई जाती है।ऐसे में कर्मचारियों द्वारा लगातार बिना सूचना के अनुपस्थित रहना लापरवाही की श्रेणी में आती है। उन्होंने निगम क्षेत्र अंतर्गत निवासरत नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने सभी कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ उनके दायित्व का निर्वहन ईमानदारी से हो यह सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान वाहन विभाग के सुपरवाइजर द्वारा अन्य कुछ कर्मचारियों के अनुपस्थित रहने की जानकारी दी। इसपर कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने ऐसे कर्मचारियों को चेतावनी देने एवं अंतिम मौका देते हुए कार्य कराने की बात कही। इसके बाद भी कर्मचारियों द्वारा बिना ठोस कारण के अनुपस्थित रहने पर उन्हें भी सेवा से बर्खास्त करने संबंधित कारवाई करने के निर्देश दिए

जनगणना कार्यों का किया अवलोकन-कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने जनगणना कार्य का भी अवलोकन किया। वर्तमान में जनगणना कार्य अंतर्गत सभी सहायक राजस्व निरीक्षकों की ड्यूटी वार्ड वाइज ब्लॉक काटने के लिए लगाई गई है। नगर निगम अंतर्गत 48 प्लस बाह्यवृद्धि 3 वर्ड, जिसमें कलमी, बेंद्राचूआ और बड़े अतर मुड़ा शामिल है। वर्तमान में 48 + 3 वार्ड कुल 51 वार्ड में लगभग 2 लाख 50 हजार जनसंख्या निवासरत हैं। इसमें प्रत्येक वार्ड में 700 से 800 जनसंख्या अंतर्गत वार्ड के एक ब्लॉक निर्धारित किया जाएगा। इसके लिए सभी वार्ड प्रभारी को उनके संबंधित वार्डों के ब्लॉक काटने के कार्य दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने गूगल मैप के माध्यम से ब्लॉक की स्थिति एवं संख्या का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी कर रहे सभी वार्ड प्रभारी को उनके वार्डों की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए गंभीरता से ब्लॉक काटने संबंधित कार्य करने के निर्देश दिए।

कृषि और पशुधन विभाग के कई कोर्स के प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन 27 मार्च तक आमंत्रित

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कृषि और पशुधन विभाग के कई कोर्स जैसे बीई/बी.टेक, बी.टेक (कृषि इंजीनियरिंग), बी.टेक (खाद्य प्रौद्योगिकी), बी.टेक (डेयरी प्रौद्योगिकी), डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा की पढ़ाई के लिए आयोजित पशु चिकित्सा प्रवेश परीक्षा (पेट इंट्रेस एग्जाम) 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन इच्छुक युवा सीजी व्यापम की वेबसाईट में 27 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं। राज्य के 33 जिला मुख्यालयों में परीक्षा केंद्र होंगे। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करते समय परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से किया जावेगा छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी जो परीक्षा में उपस्थित होते हैं उनका परीक्षा शुल्क व्यापन द्वारा वापस कर दिया जावेगा। परीक्षा शुल्क उसी बैंक खाता में वापस किया जावेगा जिस बैंक खाता से अभ्यर्थी ने ऑनलाइन आवेदन परीक्षा शुल्क का भुगतान किया है।

एमएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए 27 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़-बिलाईगढ़। शैक्षणिक सत्र 2026 में एमएससी नर्सिंग कोर्स में दाखिला के लिए आयोजित एमएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन इच्छुक युवा सीजी व्यापम की वेबसाईट में 27 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं।बिलासपुर एवं रायपुर में परीक्षा केंद्र होंगे। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करते समय परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से किया जावेगा छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी जो परीक्षा में उपस्थित होते हैं उनका परीक्षा शुल्क व्यापन द्वारा वापस कर दिया जावेगा। परीक्षा शुल्क उसी बैंक खाता में वापस किया जावेगा जिस बैंक खाता से अभ्यर्थी ने ऑनलाइन आवेदन परीक्षा शुल्क का भुगतान किया है।

संपादकीय

युद्ध के उन्माद में क्या वैश्विक नियमों का वजूद खत्म हो गया

आज जब पूरे विश्व को प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ना था, तब कई देश युद्ध के उन्माद में इस कदर डूबे हुए हैं कि मानवीयता तार-तार हो रही है। सैन्य संघर्ष लगातार बढ़ते जाने से शांति कायम होने की उम्मीदें धूमिल पड़ रही हैं। हमलों का जख्म इतना गहरा है कि उसकी कीमत प्रायः निर्दोष लोग चुका रहे हैं, जिनका युद्ध से कोई वास्ता नहीं।सबसे दुखद यह कि कई बड़े और यहां तक कि छोटे देश भी युद्ध संबंधी अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों को मानने के लिए तैयार नहीं। पूरी दुनिया ने गाजा से लेकर यूक्रेन और तेहरान तक यह देखा है कि किस तरह उन ठिकानों पर भी हमले किए गए, जो नियम के विरुद्ध था।पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे सैन्य टकराव के बीच सोमवार रात जो दृश्य सामने आया, उससे साबित हो गया कि मानवीय संवेदनाओं के सारे तकाजों को ताक पर रख दिया गया है। यह बेहद दुखद है कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पाकिस्तानी हवाई हमले में एक अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिससे चार सौ बेकसूर लोगों की मौत हो गई।भारत ने इस मामले में उचित ही सवाल उठाया है कि रमजान के पवित्र माह में इस हवाई बमबारी को किस तरह से देखा जाए। युद्ध के दौरान गैरजरूरी हिंसा रोकने और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए बनाए गए नियमों में स्पष्ट कहा गया है कि जंग के दौरान आम नागरिकों, स्कूल-अस्पताल और शरण लेने वाली जगहों को निशाना नहीं बनाया जाएगा।कोई देश रिहाइशी इलाकों, अस्पतालों, विद्यालयों और राहत केंद्रों पर हमला करता है, तो यह युद्ध अपराध है। मगर मानवीय तकाजे के बावजूद नियमों को ताक पर रख कर हमले किए जा रहे हैं, तो इसका मकसद क्या है? आज युद्ध की भयावह तस्वीरें हमारे पड़ोस से लेकर पूरे मध्य-पूर्व में दिखाई दे रही हैं। सैन्य हमलों में लोग बेघर हो रहे हैं। वे शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए मजबूर हैं।बिजली-पानी और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में उनका जीवन बदतर हो गया है। हवाई बमबारी में विद्यालयों और अस्पतालों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। मासूम बच्चे और निर्दोष नागरिक मारे जा रहे हैं, तो इसे रोकने की जिम्मेदारी किसकी है?

ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान ने जहाजों की आवाजाही का सबसे अहम होर्मुज जलमार्ग को बंद कर दिया है। इस मार्ग से बीस फीसद से अधिक वैश्विक कच्चे तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति होती है। ऐसे में इस जलमार्ग के बंद हो जाने से कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। चूंकि कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब चालीस फीसद कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए चिंता का कारण बन गया है। भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों के लिए 85 फीसद से अधिक आयात पर निर्भर है। ऐसे में कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी चिंता बढ़ा रही है। युद्ध लंबा चलने पर इसकी कीमत बेतहाशा बढ़ सकती है। इससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे और वहीं भारत से निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती बढ़ती दिखाई देगी।

ईरान-इजरायल टकराव का अमेरिका पर असर
पेंटागन का रोजाना युद्ध खर्च दो अरब डॉलर पार

(जयंतीलाल भंडारी)

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध और होर्मुज जलमार्ग बंद होने का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। जहां दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर घटने के संकेत मिल रहे हैं, वहीं विभिन्न देशों में शेयर बाजार गिरते हुए दिखाई दे रहे हैं। ईरान के साथ युद्ध शुरू करने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे आक्रामक कदम के रूप में पेश किया था। अब इस युद्ध ने कुछ और ही रूप ले लिया है। यह सोचा नहीं गया था कि इससे वैश्विक सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को ऐसा झटका लगेगा, जो पश्चिम एशिया में अन्य संघर्षों से कहीं अधिक गंभीर होगा। इस युद्ध ने यात्रा के तौर-तरीकों, ऊर्जा पर निर्भरता, जीवनयापन की लागत, व्यापार मार्गों और रणनीतिक साझेदारियों को बदल दिया है।

गौरतलब है कि अन्य कई क्षेत्रीय संघर्षों से आमतौर पर अछूते रहने वाले देशों को अमेरिकी सैन्य अड्डों के कारण भी ईरान की जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रहे सैन्य टकराव ने बेहद कम समय में ही अमेरिकी खजाने पर बोझ डालना शुरू कर दिया है। अब पेंटागन का रोजाना युद्ध खर्च औसतन दो अरब डालर तक पहुंच चुका है। हर दिन अमेरिकी सैन्य अभियान पर अरबों डालर खर्च हो रहे हैं। इस संघर्ष ने केवल अमेरिकी बजट पर ही प्रभाव नहीं डाला, बल्कि कई महंगे सैन्य उपकरणों का नुकसान भी हुआ है। अगर यह युद्ध लंबा चला, तो इसके प्रभाव और भी गंभीर हो सकते हैं। कच्चे तेल संकट के कारण मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी के जोखिम की आशंका है। इससे विकास रुक सकता है।

गौरतलब है कि ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान ने जहाजों की आवाजाही का सबसे अहम होर्मुज जलमार्ग को बंद कर दिया है। इस मार्ग से बीस फीसद से अधिक वैश्विक कच्चे तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति होती है। ऐसे में इस जलमार्ग के बंद हो जाने से कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। चूंकि कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब चालीस फीसद कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए चिंता का कारण बन गया है। भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों के लिए 85 फीसद से अधिक आयात पर निर्भर है। ऐसे में कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी चिंता बढ़ा रही है। युद्ध लंबा चलने पर इसकी कीमत बेतहाशा बढ़ सकती है। इससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे और वहीं भारत से निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती बढ़ती दिखाई देगी। हालांकि विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच हुई उच्च-स्तरीय वार्ता के बाद ईरान ने भारतीय झंडे वाले तेल टैंकरों को होर्मुज जलमार्ग से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी है।

इस युद्ध से सीधे तौर पर जुड़े अमेरिका, इजरायल और ईरान सहित युद्ध से प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देश भी भारत के लिए निर्यात के प्रमुख बाजार हैं। ऐसे में निर्यातकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पश्चिम एशिया जाने वाला माल भारत के घरेलू बंदरगाहों पर जमा होने लगा है। जहाजों की सुरक्षा को देखते नए निर्यात आदेश नहीं लिए जा हैं। ऐसी स्थिति में खासतौर से पश्चिम एशिया के देशों में निर्यात घटने की आशंका है। भारत ने इस वित्तीय वर्ष 2025- 26 में अप्रैल से दिसंबर की अवधि में पश्चिम एशिया के 13 देशों को करीब 50 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया, जो भारत के कुल निर्यात का करीब 15 फीसद है। विभिन्न देशों में भारत से खाद्य उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, दवाएं, रत्न-आभूषण, प्लास्टिक और रबड़ जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में वैश्विक रेटिंग एजंसी फिच की इकाई बीएमआइ ने एक रपट में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, माल ढुलाई महंगी होने और आपूर्ति श्रृंखला टूटने जैसे चिंताजनक हालात से भारत के निर्यात और निवेश पर असर पड़ेगा। रपट में यह भी कहा गया है कि यदि कच्चे तेल की कीमतों में दस फीसद की वृद्धि होती है, तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 0.3 से 0.6 फीसद की कमी आ सकती है और इससे निर्यात मोर्चे पर भारत की चुनौतियां बढ़ जाएंगी।

सरकार और निर्यातकों की चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। इस बीच सरकार नागरिकों, निर्यातकों और अन्य प्रभावित वर्गों की मुश्किलों को कम करने के मद्देनजर रणनीतिक रूप से कदम उठा रही है। आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करने का भी फैसला किया गया है। इस अधिनियम के लागू होने के बाद देश की सभी रिफाइनरियों और पेट्रो केमिकल इकाइयों को अपने अन्य उत्पादों की तुलना में एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देनी होगी। मगर सरकारी तंत्र को सतर्क रहना होगा, ताकि गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी न होने पाए। सरकार ने युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर सरकारी मंत्रालयों, निर्यातकों और जहाज कंपनियों के प्रतिनिधियों की विशेष बैठक में विचार मंथन के बाद बहुमंत्रालयी सहायता डेस्क सहित निर्यातकों को हरसंभव

सहयोग दिया जाना सुनिश्चित किया है।

इसमें दो मत नहीं कि भारत को द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का पूरा लाभ लेते हुए निर्यात को हरसंभव तरीके से बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। निर्यात बढ़ाने के लिए भारत के व्यापार समझौते अहम भूमिका निभा सकते हैं। हाल के महीनों में जिन देशों के साथ समझौते किए गए हैं, उन्हें क्रियान्वयन की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाना होगा। मगर ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है। ऐसे में निर्यात बढ़ाने के लिए चिह्नित किए गए करीब दो सौ देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। वहीं निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं, वरन निर्यात पर लगाए गए डंपिंग-रोधी शुल्क भी अड़चन हैं। अब घरेलू ढांचागत सुधारों के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता आवश्यक होगी। इसके लिए देश में नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में मूलभूत बदलाव की जरूरत है। कर सुधारों को और गहराई देने के साथ जीएसटी प्रणाली को प्रभावी बनाना जरूरी है।

उम्मीद करें कि सरकार ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध की वजह से निर्यात चुनौतियों से निपटने और निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर विभिन्न देशों के साथ भारत के व्यापार

ईरान वार पर वार किये जा रहा है मगर खाड़ी देश पलटवार की हिम्मत तक नहीं दिखा पा रहे

(नीरज कुमार दुबे)

सबसे खतरनाक बात यह है कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया।

तेल, गैस और बारूद की गंध अब एक साथ हवा में तैर रही है। पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है।

देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफ्फान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है।

तेल बाजार में हाहाकार मच गया। कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है।

इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अजीब-सा दोहरा रुख अपनाया। एक तरफ उन्होंने कहा कि अमेरिका का इस हमले से कोई लेना देना नहीं, दूसरी तरफ ईरान को खुली चेतावनी दे डाली कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो साउथ पार्स को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। यहीं से कहानी और पेचीदा हो जाती है। अब तक अमेरिका और इजराइल एक ही पाले में नजर आते थे, लेकिन अब दोनों के मकसद अलग अलग दिखने लगे हैं। ट्रंप एक कारोबारी की तरह सोचते हैं, वह ईरान पर दबाव बनाकर उसे अपने हिसाब से झुकाना चाहते हैं। लेकिन इजराइल की मंशा इससे कहीं आगे है, वह ईरानी शासन को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। यह दरार अब अमेरिका के भीतर भी दिखने लगी है। ट्रंप के अपने समर्थक सवाल कर रहे हैं कि क्या अमेरिका किसी और की लड़ाई में उलझता जा रहा है।

दूसरी तरफ ईरान ने भी साफ कर दिया है कि अब वह पीछे हटने वाला नहीं है। उसके विदेश मंत्री ने खुले शब्दों में कहा है कि अगर दोबारा उसके ऊर्जा ढांचे पर हमला हुआ तो वह बिना किसी संयम के पूरी ताकत से जवाब देगा। हम आपको बता दें कि ईरान ने सिर्फ कतर ही नहीं, बल्कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन तक को अपने निशाने पर ले लिया है। मिसाइलें और ड्रोन अब पूरे क्षेत्र में घूम रहे हैं। हर हमला यह संकेत दे रहा है कि जंग अब फैल चुकी है और इसे रोकना आसान नहीं होगा।

खाड़ी देशों की स्थिति सबसे ज्यादा नाजुक हो गई है। एक तरफ वह ईरान की कार्रवाई से नाराज हैं, दूसरी तरफ उन्हें डर है कि अगर वह सीधे युद्ध में उतर गए तो अमेरिका कभी भी पीछे हट सकता है और वह अकेले पड़ जाएंगे। हालांकि सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि जरूरत पड़ी तो वह सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर, कतर ने ईरानी अधिकारियों को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। लेकिन इन सबके बीच एक अनकहा डर साफ दिखता है, यानि कोई भी देश पूरी तरह इस आग में कूदने को तैयार नहीं है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा।

खून, खामोशी और खतरनाक मंसूबों का खेल

हजारों घर ज़मीन में मिल चुके हैं, जिन चौखटों पर कभी दुआएं सजती थीं, वहां अब मातम पसरा है। बड़ी-बड़ी हस्तियां बेमौत मार दी गईं। लारिजानी, सुलेमानी और कहते हैं कि खामनेई सहित 56 शीर्ष नेता और कमांडर भी इस खामोश कत्लेआम की सूची में जोड़ दिए गए। यह दरअसल मौतों का सिलसिला भर नहीं, बल्कि एक सभ्यता के आत्मविश्वास पर हुआ गहरा आघात है। मोसाद की आंखें ईरान की दीवारों के भीतर तक उतर गई हैं। उसकी 'डीप पेनिट्रेशन स्ट्रेटेजी' ने ईरान की दीवारों को ही नहीं, उसकी व्यवस्था की जड़ों को भी हिला दिया।

(प्रणय विक्रम सिंह)

कहते हैं कि धर्म दिलों को जोड़ता है पर आज देखिए धर्म की धरती ही धधक रही है। रमज़ान का महीना था, वो महीना, जिसमें रोज़े रखे जाते हैं, दुआएं मांगी जाती हैं, इफ़्तार की थालियों में उम्मीद सजती हैं लेकिन आज उसी वक़्त ईरान और उससे जुड़े 22 मुल्कों की फिज़ा में दुआ नहीं, धुआं उठ रहा है।

न कोई रोज़ा दिख रहा है, न इफ़्तार की रौनक, न सहरी की सादगी बस बारूद की बदबू है। और आसमान पर लाल रंग के सिवा कोई रंग नहीं।

हजारों घर ज़मीन में मिल चुके हैं, जिन चौखटों पर कभी दुआएं सजती थीं, वहां अब मातम पसरा है। बड़ी-बड़ी हस्तियां बेमौत मार दी गईं। लारिजानी, सुलेमानी और कहते हैं कि खामनेई सहित 56 शीर्ष नेता और कमांडर भी इस खामोश कत्लेआम की सूची में जोड़ दिए गए। यह दरअसल मौतों का सिलसिला भर नहीं, बल्कि एक सभ्यता के आत्मविश्वास पर हुआ गहरा आघात है।

मोसाद की आंखें ईरान की दीवारों के भीतर तक उतर गई हैं। उसकी 'डीप पेनिट्रेशन स्ट्रेटेजी' ने ईरान की दीवारों को ही नहीं, उसकी व्यवस्था की जड़ों को भी हिला दिया। इंटेलिजेंस वॉरफेयर, इनसाइड नेटवर्क और टार्गेटेड एलिमिनेशन इन तीनों के त्रिकोण ने मिलकर यह साबित किया कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमाओं पर नहीं, सिस्टम के भीतर लड़े जाते हैं। अपने ही घर के लोग अपने ही आसमान को निशाना बनवाने लगे, यह केवल जासूसी नहीं, बल्कि 'ट्रस्ट का टोटल ब्रेकडाउन' है।

अजीब वक्त है न कोई मज़हब बचाने आया, न कोई खुदा उतर कर पूछ रहा है कि कैसे हो मेरे बंदो? और जो 22 इस्लामिक मुल्क हैं वो भी जैसे खामोशी की चादर ओढ़े बैठे हैं। यहां तक कि जो गाज़ा पर सड़कों को जाम कर देते थे, वे आज ईद की खरीदारी में मशगूल हैं जैसे संवेदना भी अब 'सेलेक्टिव रिस्पॉन्स' बन चुकी हो।

ईरान का आसमान अमेरिका और इजराइल ने मिलकर रक्तरंजित कर दिया है। मोसाद ने चुन-चुन

कर इतिहास की इस धरोहर को जख्मों का जखीरा बना दिया।

हां, एक सच है कि इतिहास गवाह है हर युद्ध अपने साथ विजय से ज्यादा विनाश छोड़ता है। और यह भी तय है कि अमेरिका को इस जंग से यश नहीं, जलालत मिलेगी। अपने ही घर में सवाल उठेंगे, अपने ही लोग जवाब मांगेंगे। और जो 450 किलो यूरेनियम की चाह है वो ख्वाब ही रहेगा। क्योंकि अगर ईरान ने बम नहीं बनाया, तो उसने उसे कहीं और सुरक्षित कर दिया होगाज शायद रूसज शायद चीन।

डर एक था और वह सही भी था कि जिस दिन ईरान के पास परमाणु शक्ति आई, वह सीधे इज़राइल की ओर बढ़ेगी। और इज़राइल का अस्तित्व मिट सकता है। इस डर ने अमेरिका को युद्ध की ओर धकेला पर सवाल यह भी है कि पाकिस्तान के बमों पर यह खामोशी क्यों है? क्या वे कभी ख़तरा नहीं बनेंगेज? या खतरे भी अब चयनित हो गए हैंज?

इसी परिप्रेक्ष्य में एक और घटना दिल दहला देती है। अभी 3 दिन पहले ही पाकिस्तान ने काबुल की राजधानी में एक अस्पताल को एयरस्ट्राइक में निशाना बनाया। जहां जीवन बचाने की कोशिश होती है, वहां मौत उतार दी गई। जहां दवाइयां होनी चाहिए थीं, वहां धुएं और चीखों का अंधकार फैल गया। 400 लोग मारे गए, 250 से अधिक घायल होकर तड़पते रह गए। पर इससे भी अधिक भयावह है उस त्रासदी पर पसरा सन्नाटा। भारत में ईरान और गाज़ा के नाम पर सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने वाले लोग आज इस त्रासदी पर एक सुविधाजनक खामोशी ओढ़े हुए हैं। वैश्विक मंचों पर भी कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं। अमेरिका तो ऐसी चुप्पी साधे बैठा है जैसे इस हमले के बारे में वह जानता ही नहीं।

यही वह क्षण है जब यह प्रश्न भीतर तक चीर देता है कि क्या निर्दोषों का रक्त भी अब 'जियोपॉलिटिकल इंटरेस्ट' के तराजू पर तौला जाने लगा है? क्या संवेदनाएं भी अब 'सेलेक्टिव सिम्पैथी' बन चुकी हैं?

दरअसल युद्ध शुरू करना आसान होता है, पर उसे रोकना इतिहास के सबसे कठिन निर्णयों में से एक है। ऐसे समय में भारत जैसे राष्ट्र की नीति याद आती है जिसने 25 मिनट में दुश्मन के आतंकी ठिकाने ध्वस्त कर दिए, 11 एयरबेस उड़ा दिए और नूर खां के परमाणु भंडार तक ब्रह्मोस की आहट पहुंचा दी, बिना युद्ध को युद्ध बनाए।

दुनिया के बी-1 और बी-2 बॉम्बर जिन अभियानों को 'हाइपोथेटिकल प्लानिंग' में रखते हैं, उसका ट्रेलर भारत की धरती पर बनी एक स्वदेशी मिसाइल ने दिखा दिया। क्योंकि शक्ति का अर्थ केवल प्रहार नहीं प्रमाण भी होता है।

और शायद यही फर्क है अहंकार और आचरण में, आक्रमण और आत्मसंयम में और युद्ध और नीति में। दुनिया को अब यह तय करना होगा कि उसे सत्ता, स्वार्थ और संघर्ष की लपटों में जलकर राख होना है या संतुलन, संयम और समझ की रोशनी में चलकर अपनी राह बनानी है। क्योंकि तलवारें जीत तो लेती हैं, पर टिकती नहीं। सभ्यताएं वही जीवित रहती हैं, जो शक्ति नहीं, विवेक से दिशा चुनती हैं। जो लहू नहीं, लौ से अपना भविष्य रचती हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

राज्यपाल के गोद ग्राम टेमरी में कृषि योजनाओं का प्रभाव, किसानों को मिल रहा सीधा लाभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका के गोद ग्राम टेमरी में कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ किसानों तक तेजी से पहुंचाया जा रहा है। वर्ष 2025ङ्क26 के लिए तैयार की गई विभागीय जानकारी के अनुसार ग्राम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित कई योजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में बेहतर उपलब्धि-ग्राम टेमरी में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 559 किसानों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से अब तक 527 किसानों को लाभ मिल चुका है। विभाग के अनुसार कुछ किसानों का ऑनलाइन पंजीयन अभी शेष है, जबकि 32 किसान तकनीकी कारणों से पंजीयन नहीं करा पाए हैं। पोर्टल में सुधार होते ही इनका पंजीयन भी कराया जाएगा।

फसल बीमा योजना में शत-प्रतिशत लाभ-प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ग्राम के किसानों को शत-प्रतिशत लाभ दिलाया जा रहा है। खरीफ मौसम में 501 किसानों तथा रबी मौसम में 226 किसानों को योजना का लाभ मिल चुका है। कृषि विभाग का कहना है कि बीमा योजना के प्रति किसानों में जागरूकता बढ़ी है और अब अधिक किसान इसमें शामिल हो रहे हैं।

दलहन-तिलहन और वैकल्पिक फसलों का बढ़ा रकबा-कृषि विभाग द्वारा किए गए सर्वे के अनुसार ग्राम टेमरी में धान के स्थान पर दलहन, तिलहन तथा अन्य वैकल्पिक फसलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले जहां 242 हेक्टेयर में वैकल्पिक फसलें ली जाती थीं, वहीं इस वर्ष 40 हेक्टेयर में ही धान की फसल ली गई है और 412 हेक्टेयर में दलहनङ्कतिलहन व अन्य फसलें बोई गई हैं।

प्रमाणित बीज उत्पादन और रागी की खेती की शुरुआत-ग्राम में प्रमाणित बीज उत्पादन कार्यक्रम के तहत चना और रागी फसलों का कुल 15.70 हेक्टेयर क्षेत्र में उत्पादन किया जा रहा है, जिसमें 9 किसानों ने भाग लिया है। साथ ही ग्राम टेमरी में पहली बार 4 हेक्टेयर क्षेत्र में रागी की खेती शुरू की गई है, जिसे किसानों के लिए एक नई पहल माना जा रहा है।

कृषि विभाग की पहल से ग्रामीणों में उत्साह-कृषि विभाग की योजनाओं और निरंतर निगरानी के कारण किसानों में नई फसलों के प्रति रुचि बढ़ी है।

विभाग के अनुसार गोद ग्राम होने के कारण यहां योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है और आने वाले समय में और अधिक किसानों को इसका लाभ मिलेगा।

महानदी सूखने से 10 गांवों में जल संकट गहराया, समाधान की मांग लेकर कलेक्टर पहुंचे ग्रामीण

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-कांकेर 23 मार्च 2026 जिले के नरहरपुर क्षेत्र में महानदी के सूख जाने से लगभग 10 गांवों में भीषण जल संकट उत्पन्न हो गया है। पीने के पानी के साथ-साथ पशु-पक्षियों के लिए भी पानी की गंभीर कमी हो गई है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। समस्या के समाधान की मांग को लेकर प्रभावित गांवों के ग्रामीण कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि महानदी के सूखने के कारण पूरे क्षेत्र में जल संकट गहरा गया है। लोगों को दूर-दूर तक पानी के लिए भटकना पड़ रहा है, वहीं पशुओं के लिए भी पानी की व्यवस्था नहीं हो पा रही है,ग्रामीणों ने प्रशासन को अवगत कराया कि वर्तमान स्थिति अत्यंत गंभीर हो चुकी है और यदि समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो हालात और भी बिगड़

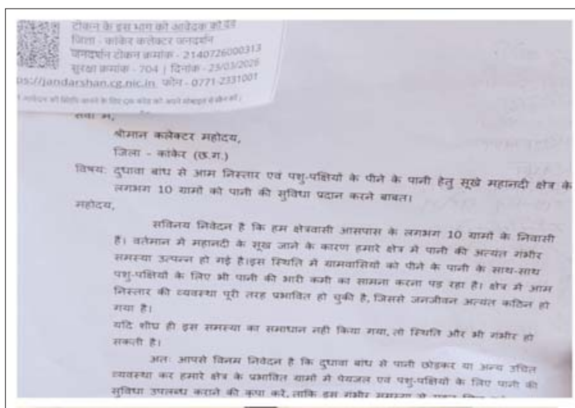

सकते हैं। उन्होंने मांग की कि दुग्गा बांध से पानी छोड़ा जाए या अन्य वैकल्पिक व्यवस्था कर प्रभावित गांवों में तत्काल जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि वे समाधान की उम्मीद लेकर प्रशासन के पास पहुंचे हैं। यदि जल्द ही समस्या का निराकरण किया जाए,

ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर जल संकट से राहत दिलाने की अपील की

राजस्व अधिकारी, पटवारी, सचिव, कोटवार सहित मैदानी अमले को गांव-गांव निरीक्षण के निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय पांडेय ने राज्य शासन के निर्देशानुसार अवैध अफीम की खेती की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पटवारी, सचिव व कोटवार एवं नगरीय क्षेत्रों में पटवारी, नगर पालिका/पंचायत की टीम द्वारा संयुक्त रूप से सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही राजस्व, पुलिस एवं वन विभाग के अधिकारियों को किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए उन्होंने राजस्व, पुलिस विभाग के साथ कृषि, उद्यानिकी और रेशम विभाग के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने तहसीलदार, पटवारी, पंचायत सचिव और कोटवारों को गांव-गांव जाकर खेतों का निरीक्षण कर संदिग्ध फसलों की पहचान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से उन क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई जाए, नदी के किनारे, वन क्षेत्रों से लगे हुए हैं। संदिग्ध फसल मिलने पर तत्काल जांच कर रिपोर्ट जिला प्रशासन और पुलिस को देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में अवैध अफीम या गांजा की खेती पाई जाती है, तो संबंधित पटवारी और ग्राम सचिव के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बेमेतरा में श्रीमद् भागवत कथा एवं ज्योत जवारा में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शहर के वार्ड क्रमांक 16 में महिला समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा कांग्रेस जनों के साथ शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने उपस्थित माताओं-बहनों को आशीर्वचन देते हुए उनके सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मंगत साहू, सुमन गोस्वामी, मनोज शर्मा, चंद्र प्रकाश शीतलानी, नारायण छाबड़ा, श्रीमती रीता पांडे, श्रीमती योगिता साहू, प्रकाश ठाकुर, पार्षद राजू साहू (वार्ड 13), पार्षद घनश्याम देवांगन (वार्ड 5), शुभम सोनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं कांग्रेसजन

उपस्थित रहे। इसके पश्चात आशीष छाबड़ा एवं कांग्रेस साथियों ने शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित ज्योत जवारा दर्शन कार्यक्रमों में भी भाग लिया। उन्होंने यूट्यूबर दिलीप देवांगन एवं राजेंद्र देवांगन के निवास, वार्ड क्रमांक 16 में सीताराम यदु तथा वार्ड क्रमांक 15 में तुकाराम यदु के यहां आयोजित कार्यक्रमों में श्रद्धापूर्वक दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित परिवारों सहित बेमेतरा शहर एवं जिलेवासियों के लिए सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की।

दिव्यांग प्रधान पाठक का समर्पण: रात में घर-घर जाकर ग्रामीणों को किया जागरूक

बेमेतरा/बैजी/मूक पत्रिका

शिक्षा के प्रति समर्पण और समाज में जागरूकता फैलाने का एक प्रेरणादायक उदाहरण शासकीय प्राथमिक शाला बैजी के दिव्यांग प्रधान पाठक ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे ने प्रस्तुत किया है। उन्होंने उल्लास योजना के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए देर रात तक गांव में घर-घर जाकर संपर्क किया। प्रधान पाठक ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे ने रात करीब 10 बजे तक ग्राम बैजी में ग्रामीणों से मुलाकात कर उन्हें महापरीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने जीपीएस कैमरे के माध्यम से संपर्क की फोटो भी दर्ज की। दिन में ग्रामीणों के व्यस्त रहने के कारण उन्होंने रात के

समय संपर्क अभियान चलाकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया। गौरतलब है कि नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत 15 वर्ष से अधिक आयु के पंजीकृत असाक्षर महिला एवं पुरुषों को पढ़ने-लिखने और दैनिक जीवन की आवश्यक जानकारी देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा उल्लास योजना संचालित की जा रही है। इसका मुख्य लक्ष्य देश से निरक्षरता को समाप्त करना है। दिव्यांग होने के बावजूद ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे का यह प्रयास न केवल कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण है, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा भी है। उनके इस समर्पण की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 2025-26 हेतु पंजीयन तिथि बढ़ी, विद्यार्थियों को मिला अतिरिक्त अवसर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अनुसूचित जनजाति (ST), अनुसूचित जाति (SC) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के विद्यार्थियों के लिए संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना (कक्षा 12वीं से उच्चतर) हेतु ऑनलाइन पंजीयन की तिथि में वृद्धि कर दी गई है। इससे हजारों विद्यार्थियों को आवेदन का एक और मौका मिलेगा। राज्य के शासकीय एवं अशासकीय आईटीआई, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग, पॉलिटेक्निक एवं जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत पात्र छात्र अब निर्धारित नई तिथियों के अनुसार आवेदन कर सकेंगे। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया httpÑ//postmatric-scholarship.cg.nic.in/ पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन/पंजीयन (नवीन एवं नवीनीकरण): 23 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 तक, संस्थाओं द्वारा Proposal Lock कर सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास को प्रेषण: 23 मार्च 2026 से 29 मार्च 2026 तक, शासकीय संस्था/जिला कार्यालय द्वारा Sanction Order LockÑ 23 मार्च 2026 से 30 मार्च 2026 तक अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथियों के बाद पोर्टल बंद कर दिया जाएगा। यदि समयसीमा के भीतर आवेदन या आवश्यक कार्यवाही पूर्ण नहीं की जाती है और विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित संस्था प्रमुखों की होगी।

ग्राम लाटा में निषाद समाज का वार्षिक सम्मेलन सम्पन्न, समाज भवन व सीसी रोड की घोषणा

बेमेतरा (बेरला)/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत लाटा में निषाद समाज परिक्षेत्र ढाबा (बगीचा) का वार्षिक सम्मेलन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ निषाद समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष बोधी राम निषाद ने की।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने समाज की एकजुटता और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ग्राम लाटा में निषाद समाज भवन निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की तथा भूमि पूजन भी किया। साथ ही सरपंच की मांग पर ग्राम पंचायत के लिए दो सीसी रोड निर्माण की स्वीकृति प्रदान की और

अन्य मांगों को भी पूरा करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बोधी राम निषाद ने कहा कि निषाद समाज अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुटता बनाए रखने का आह्वान करते हुए सामाजिक नियमावली के पालन पर जोर दिया। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए पांच महत्वपूर्ण बातों–परिवार में एकता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, मातृभाषा का उपयोग और नागरिक कर्तव्यों के पालन–को अपनाने की अपील की।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष हरिशंकर निषाद, ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती चंद्रकला होरी लाल यादव, जिलाध्यक्ष दिलीप निषाद, जिला संगठन सचिव रेवा राम निषाद सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सम्मेलन में नेतराम निषाद, बिसनाथ निषाद, विनोद निषाद, सरस्वती निषाद, कौशल परघनिया सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग, माताएं और बहनें शामिल हुईं। कार्यक्रम का संचालन दीपक निषाद ने किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन से समाज में उत्साह का माहौल देखने को मिला और विकास व एकता का संदेश प्रसारित हुआ।

परशुराम जयंती पर कांकेर में भव्य शोभायात्रा, ब्राह्मण समाज ने बनाई व्यापक रणनीति

कांकेर /मूक पत्रिका

जिला सर्व ब्राह्मण समाज कांकेर द्वारा आगामी भगवान परशुराम जयंती को भव्य रूप से मनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में 22 मार्च 2026 को पंडित राकेश शर्मा के निवास पर कोर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन की रूपरेखा तय की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्राह्मण समाज के संरक्षक पंडित दिनेश मिश्रा ने की। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 19 अप्रैल 2026 को भगवान परशुराम प्रकट उत्सव के अवसर पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा परशुराम चौक में पूजा-अर्चना के बाद प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों-ऊपर-नीचे रोड, गिल्ली चौक, पुराना बस स्टैंड और गांधी चौक से होते हुए निर्धारित स्थल पर संपन्न होगी।

समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि शोभायात्रा का उद्देश्य समाज में एकता, उत्साह और भगवान परशुराम के आदर्शों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है। शोभायात्रा में भगवान परशुराम की आकर्षक झांकियां, विप्र बंधुओं की सक्रिय सहभागिता तथा पारंपरिक गाजे-बाजे मुख्य आकर्षण रहेंगे। कार्यक्रम की सफलता के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां भी तय की गई हैं। अलग-अलग समितियों को रूट व्यवस्था, स्वागत, मंच संचालन और प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि आयोजन सुव्यवस्थित और भव्य रूप से संपन्न हो सके। बैठक में जिला अध्यक्ष पंडित दीपक मुखर्जी, उपाध्यक्ष बलराम भट्ट, सचिव सुरेश तिवारी, कोषाध्यक्ष डॉ. दुर्गेश अवस्थी, सहसचिव महेश दुबे सहित समाज के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य रमाकांत दुबे और सत्य प्रकाश शर्मा उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

50 हजार से अधिक श्रद्धालु होंगे शामिल, आयोजन को भव्यता देने जुटे भक्तगण, शोभा यात्रा का होगा भव्य स्वागत सत्कार, सुरक्षा व्यवस्था का भी ख्याल

महाकाल की झांकी, कड़प्पा और बाहुबली रामनवमी शोभायात्रा में बनेंगे आकर्षण

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर में रामनवमी के शोभायात्रा की तैयारी अपनी पूर्णता की और है।सर्व हिन्दू समाज निरंतर बैठकों के साथ आयोजन के 13 वे वर्ष को भव्यता देने में जुटा है।27 मार्च को आयोजित होने वाली भगवान राम की शोभायात्रा स्थानीय नटवर स्कूल से प्रारंभ होगी।जिसमें सभी चौक चौराहों में आकर्षक साज सज्जा के साथ ही मनमोहक झाकियां आकर्षण का केंद्र रहेगी।वही शोभायात्रा के सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजन समिति द्वारा 12 फिट से अधिक ऊंची झाकियों को सकरे मार्गो पर न ले जाने का भी निर्णय लिया गया है। वही इस आयोजन में लगभग 50 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

आकर्षक झाकियां और लोक नृत्य दल बनेंगे आकर्षण का केंद्र-गौरतलब हो कि शहर में वर्ष 2014 में रामनवमी पर शोभायात्रा आयोजन की शुरुआत की गई थी।जिसकी महती जिम्मेदारी शहर के सर्व हिन्दू समाज द्वारा सतत निभाई जा रही है।आयोजन के 13 वे वर्ष में भी आयोजन समिति द्वारा लगातार बैठकों का आयोजन करते हुए कार्यक्रम की विस्तृत रूप रेखा तैयार कर ली गई है।जिसमें आकर्षक झाकियां जिनमें महाकाल की सवारी,कालाहांडी कप्पा,बाहुबली,कलकत्ता से कार्टून सहित पंजाब पाईप बैंड पार्टी,उड़ीसा सिंग बाजा के साथ ही साथ पंथी नृत्य,कर्मा एवं सुआ नृत्य से लोककला की छटा बिखरेगी।सामाजिक भागीदारी से तय होने वाले इस आयोजन इस वर्ष 27 मार्च को किया जाना है।जिसमें शोभायात्रा का शुभारंभ स्थानीय नटवर स्कूल से होते हुए श्री रामनवमी शोभा यात्रा मार्ग स्टेशन चौक, गांधी गंज, गांधी प्रतिभा, रामनिवास टाकीज, गोपी टाकीज, मंदिर चौक, सुभाष चौक, गद्दी चौक, पैलेस रोड़, चांदनी चौक, गांजा चौक, हटरी चौक, सिटी कोतवाली, हंडी चौक, घड़ी चौक होते हुए रामलीला मैदान में पहुंचेगी जहां इसका समापन होगा।जहां रामभक्तों के लिए भव्य भंडारे का आयोजन सम्पन्न होगा।

शोभा यात्रा का होगा भव्य स्वागत सत्कार, सुरक्षा व्यवस्था का भी ख्याल-रामनवमी के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले भव्य शोभा यात्रा में शहर के अलग अलग मोहल्लों से रामभक्तों की 25 टोली शिरकत करेगी।शोभायात्रा का प्रमुख चौक चौराहों पर दस स्थानों पर हिंदू समाज के लोगों द्वारा स्वागत सत्कार के साथ ही जलपान और शीतल पेय की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।वही आयोजन समिति द्वारा शोभायात्रा के आवागमन में सुविधा का ध्यान रखते हुए 12 फिट से अधिक ऊंची झाकियों को सकरे मार्ग जिसमें हटरी चौक,गद्दी चौक, कोतवाली मार्ग से न ले जाने का निर्णय किया गया है।बहरहाल रामनवमी की शोभायात्रा को लेकर समूचे शहर में लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा है।जहां आकर्षक साज सज्जता के साथ ही सर्व हिन्दू समाज आयोजन को भव्यता देने जुटे है।

संक्षिप्त समाचार

छात्रवृत्ति के लिए अवसर - पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु नवीनीकरण और नवीन आवेदन की अंतिम तिथि 27 मार्च

12वी से उच्चतर पढ़ाई कर रहे एसटी, एससी और ओबीसी विद्यार्थियों को जमा करना होगा ऑनलाइन आवेदन

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 23 मार्च 2026/ आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अध्ययनरत विद्यार्थियों को सूचित किया गया है कि, वे शिक्षा सत्र 2025-26 के पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति छात्रवृत्ति के लिए विभागीय पोर्टल पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन https://postmatric-scholarship.cg.nic.in में नवीनीकरण और नवीन आवेदन 27 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद शिक्षा सत्र 2025-26 के पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति छात्रवृत्ति के लिए विभागीय पोर्टल को बंद किया जाएगा।

छात्रवृत्ति हेतु पात्रता- अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के पालक की आय सीमा रू. 2.50 लाख और अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आय सीमा 1 लाख रूपये प्रतिवर्ष होना चाहिए। सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थाई जाति प्रमाण पत्र, छ.ग. का मूल निवास प्रमाण पत्र, विद्यार्थी के अध्ययनरत् पाठ्यक्रम के विगत वर्ष का परीक्षा परिणाम संलग्न करना होगा। पीएफएमएस के माध्यम से आधार आधारित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा रहा है। सभी विद्यार्थी ऑनलाईन आवेदन करते समय ध्यान रखे कि उनका बचत खाता एक्टिव हो एवं आधार सीडेड बैंक खाता नम्बर की प्रविष्टि करना सुनिश्चित करें। इस संबंध में विस्तृत जानकारी अपने जिले के कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कार्यालय कोसीर रोड कालेज के पास सारंगढ़ से प्राप्त की जा सकती है।

वेंचर कैटेलिस्ट्स ने Pee Safe से पूर्ण एग्जिट की घोषणा की, 9.60| रिटर्न और 30.53 XI हासिल

नईदिल्ली: भारत के अग्रणी इंटीग्रेटेड इनक्यूबेटर और शुरुआती चरण के निवेश प्लेटफॉर्म, वेंचर कैटेलिस्ट्स ने महिलाओं के हाइजीन और वेलनेस ब्रांड Pee Safe से अपनी पूर्ण एग्जिट की घोषणा की है। यह एग्जिट कंपनी के हालिया 32 मिलियन अमेरिकी डॉलर के फंडिंग राउंड के बाद हुई है, जिसका नेतृत्व वैश्विक हेल्थकेयर-केंद्रित प्राइवेट इक्विटी फर्म OrbiMed ने किया। इस फंडिंग राउंड के सेकेंडरी कंपोनेंट ने वेंचर कैटेलिस्ट्स सहित शुरुआती निवेशकों को लिक्विडिटी प्रदान की, जिससे दीर्घकालिक मूल्य सृजन को नकद रिटर्न में बदला जा सका। यह परिणाम कंपनी की उस रणनीति को दर्शाता है, जिसमें वह शुरुआती चरण में संभावनाशील कंपनियों की पहचान कर उन्हें स्केल तक समर्थन देती है।

वेंचर कैटेलिस्ट्स ने पहली बार अगस्त 2017 में Pee Safe में निवेश किया था, जब कंपनी टॉयलेट हाइजीन से आगे बढ़कर एक व्यापक पर्सनल हाइजीन और वेलनेस ब्रांड बनने की दिशा में अग्रसर थी। उस समय भारत में संगठित महिला हाइजीन नवाचार शुरुआती चरण में था, जो कंपनी की दूरदर्शिता को दर्शाता है।

यह एग्जिट जनवरी 2026 में पूरी हुई, जिससे निवेश पर 9.60 गुना रिटर्न और 30.53% XIRR प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि दर्शाती है कि वेंचर कैटेलिस्ट्स शुरुआती निवेश से लेकर सफल एग्जिट तक कंपनियों को आगे बढ़ाने में सक्षम है।

Pee Safe ने ओम nichannel मॉडल के माध्यम से तेजी से विस्तार किया है और आज इसके उत्पाद 100 से अधिक शहरों में 50,000 से अधिक रिटेल टचपॉइंट्स के साथ-साथ ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। कंपनी ने पिछले दो वर्षों में 45-50% वार्षिक वृद्धि दर्ज की है।

OrbiMed के नेतृत्व वाले इस राउंड के साथ Pee Safe की कुल फंडिंग 45.55 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जिसमें Zerodha और Natco Pharma जैसे निवेशक भी शामिल हैं।

सैमसंग ने गैलेक्सी S26 सीरीज के साथ 'क्विक शेयर' में जोड़ा एयरड्रॉप सपोर्ट; फाइल शेयरिंग हुई और भी आसान

गुरुग्राम: सैमसंग अपनी गैलेक्सी S26 सीरीज में एयरड्रॉप सपोर्ट पेश कर रहा है, जिससे यूजर्स के लिए 'क्विक शेयर' का उपयोग करके डिवाइसेज के बीच कंटेंट शेयर करना और भी आसान हो जाएगा। यह फीचर 23 मार्च से चरणबद्ध तरीके से रोलआउट होना शुरू होगा, जिसकी शुरुआत कोरिया से होगी। इसके बाद इसे यूरोप, हांगकांग, जापान, लैटिन अमेरिका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण-पूर्वी एशिया और ताइवान सहित अन्य क्षेत्रों में विस्तारित किया जाएगा। एयरड्रॉप सपोर्ट शुरुआत में गैलेक्सी S26 सीरीज पर उपलब्ध होगा, जबकि अन्य डिवाइसेज के लिए इसके विस्तार की घोषणा भविष्य में की जाएगी।

कलेक्टर ने आश्रम, छात्रावास में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

आश्रम, छात्रावास के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने अधीक्षकों के साथ की समीक्षा बैठक

जहां महिला होमगार्ड नहीं, वहां की सूची तत्काल सेनानी को भेजने के निर्देश

पालक मीटिंग कर बच्चों के संबंध में जानकारी नियमित शेयर करने के निर्देश

बालिकाओं के सुरक्षा के लिए खिड़की दरवाजा में पर्दे और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण करने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 23 मार्च 2026/कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के आश्रम, बालक एवं बालिका छात्रावास अधीक्षकों की बैठक लेकर आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के कार्यों का समीक्षा किया गया। बैठक में सहायक आयुक्त बद्री सुखदेवे, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा उपस्थित थीं।

कलेक्टर ने आश्रम, छात्रावास में प्रवेशित सीट के आधार पर शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आश्रम, छात्रावास में बच्चे रहें, पालक की तरह सेवाभाव से व्यवस्था और प्रयास किया जाए और पालकों की प्रत्येक माह बैठक ली जाए। बच्चों को संस्था में रहने के संबंध में पालको से नियमित रूप से बात बातचीत किया जाए। छात्राओं को उनके माता-पिता एवं भाई के साथ ही भेजा जाए, साथ ही बालिकाओं के सुरक्षा के लिए खिड़की दरवाजा में पर्दे किया जाए और नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधीक्षक अपने मुख्यालय में अनिवार्य रूप से रहे और यदि निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। आश्रम छात्रावास परिसर की नियमित रूप से साफ सफाई की जाए। आश्रम छात्रावास जहां महिला होमगार्ड तैनात नहीं है उनकी सूची तत्काल नगर सेनानी को भेजा जाए। जिन छात्रावास आश्रमों में पेयजल व्यवस्था नहीं है, वहां नया बोर खनन कार्य किया जाए और जहां पानी की समस्या आ रही है वहां गहरीकरण कर जल आपूर्ति किया जाए। खिड़की दरवाजे मरम्मत से जुड़े छोटे-छोटे कार्य को पूर्ण करने कलेक्टर ने सभी अधीक्षक को निर्देशित किया, वहीं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए छुट्टी के दिन में सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत, संगीत, खेल, नैतिक शिक्षा आधारित कार्यक्रम निश्चित रूप से किया जाए।

उल्लास नवभारत साक्षरता महापरीक्षा अभियान कार्यक्रम शांतिपूर्ण सपन्न

सूरजपुर संवाददाता। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशानुसार तथा जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना अधिकारी के मार्गदर्शन में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यव्यापी उल्लास महा परीक्षा का आयोजन 22 मार्च 2026 को सूरजपुर विकासखंड के निर्धारित 125 परीक्षा केंद्रों पर किया गया। जिसमें 15 वर्ष से अधिक उम्र के चिन्हांकित साक्षर जिन्होंने साक्षरता कक्षाओं में 200 घंटे की पढ़ाई पूरी कर ली है, परीक्षा में सम्मिलित हुए। सूरजपुर विकासखंड में कुल 5557 चिन्हांकित असाक्षर जिसमें 3788 महिला तथा 1769 पुरुष थे। शाम 4:00 बजे तक कुल 5557 में से 3572 महिला तथा 1618 पुरुष कुल 5190 असाक्षर परीक्षा में शामिल हुए। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड परियोजना अधिकारी, संकुल समन्वयकों एवं जे. डी. कार्यालय अंबिकापुर से सहायक संचालक अनिल अग्रवाल के द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा का संचालन शांतिपूर्ण ढंग से संचालित होते हुए पाया गया। जिला जेल सूरजपुर में सहायक जेल अधीक्षक विक्रम कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में केंद्राध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी, प्रधान पाठक, पर्यवेक्षक सन्नी अहलाद टोप्पो, मुख्य जेल प्रहरी, शांतनु चतुर्वेदी एवं अमित गुप्ता जेल प्रहरी के द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता महापरीक्षा का आयोजन कराया गया जिसमें 59 पुरुष कैदी शामिल हुए। परीक्षा का मॉनिटरिंग विकासखण्ड परियोजना अधिकारी जयराम प्रसाद के द्वारा किया गया। परीक्षा शांतिपूर्ण और उल्लास पूर्ण वातावरण में संचालित पाया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,विजिलेंस विभाग में वीडियो रिकॉर्डिंग प्रणाली का उद्घाटन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के विजिलेंस विभाग में वीडियो रिकॉर्डिंग प्रणाली का आज उद्घाटन किया गया। इस अत्याधुनिक प्रणाली का उद्घाटन श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक, श्री विजय कुमार साहू, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री मनोज गुरुमुखी तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। यह पहल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पारदर्शिता को बढ़ावा देने, विजिलेंस जागरूकता फैलाने तथा डिजिटल माध्यम से सतत प्रशिक्षण और क्षमता विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विजिलेंस जागरूकता हेतु वीडियो कंटेंट निर्माण: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच विजिलेंस संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए विशेष मल्टीमीडिया कंटेंट तैयार किया जाएगा। तकनीकी एवं ज्ञानवर्धक मॉड्यूल: विभिन्न कार्यकारी विभागों द्वारा तकनीकी एवं अन्य विषयों पर वीडियो मॉड्यूल तैयार किए जाएंगे, जिससे फील्ड अधिकारियों के ज्ञान, कौशल एवं दक्षता में वृद्धि होगी। 24×7 उपलब्धता एवं सुलभता: रिकॉर्डेड कंटेंट की चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे अधिकारी कभी भी, कहीं भी इसका उपयोग कर सकेंगे। उच्च क्षमता डिजिटल स्टोरेज: सभी विभागों के लिए 6 ञ्चक्र डिजिटल स्टोरेज उपलब्ध कराया गया है। (लगभग 1 त्नक्र प्रति 10 मिनट ।।ष्ठ वीडियो ञ्च 100 स्स्क्र मिनट के अनुसार, इसमें लगभग 6000 वीडियो (प्रत्येक 10 मिनट) संग्रहीत किए जा सकते हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा: विभागों के बीच प्रशिक्षण, बैठक एवं संवाद के लिए आधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा उपलब्ध है।

रेलवे सुरक्षा बल द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही एवं उल्लेखनीय उपलब्धियां............

बिलासपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा एवं रेलवे परिसंपत्तियों की सुरक्षा हेतु विभिन्न अभियानों के माध्यम से लगातार सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इन अभियानों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जो रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उपरोक्त अभियानों के अंतर्गत कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियां इस प्रकार है:- अवैध टिकट दलाली के विरुद्ध ऑपरेशन उपलब्ध- रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन उपलब्ध के तहत अवैध टिकट दलालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2024 में तीनों मंडलों द्वारा कुल 331 अवैध टिकट दलालों को गिरफ्तार कर उनके पास से लगभग 1.27 करोड़ रुपये मूल्य के टिकट बरामद किए गए। वर्ष 2025 में 277 दलालों की गिरफ्तारी कर लगभग 62.10 लाख रुपये के टिकट जब्त किए गए। वहीं वर्ष 2026 में अब तक 57 दलालों को गिरफ्तार कर करीब 12 लाख रुपये के टिकट बरामद किए गए हैं। इन सभी मामलों में रेलवे अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत कार्रवाई की गई है, जिसमें अधिकतम 3 वर्ष की सजा का प्रावधान है। ऑपरेशन नारकोस के तहत मादक पदार्थों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई- रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ट्रेनों एवं रेलवे परिसर में नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने हेतु ऑपरेशन नारकोस के अंतर्गत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडलों में विशेष टास्क टीम गठित कर तथा सीआईबी (क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच) एवं एसआईबी (स्पेशल इंटेलिजेंस ब्रांच) को सक्रिय कर सतत निगरानी रखी जा रही है। वर्ष 2025 में इस अभियान के तहत 63 मामलों में 78 आरोपियों को गिरफ्तार कर 713.522 किलोग्राम मादक पदार्थ (लगभग 1.70 करोड़ रुपये मूल्य) जब्त किए गए। वर्ष 2026 में अब तक 24 मामलों में 36 आरोपियों की गिरफ्तारी करते हुए 341.745 किलोग्राम मादक पदार्थ (लगभग 1.71 करोड़ रुपये मूल्य) जब्त किए गए हैं। पिछले तीन वर्षों (2023, 2024 एवं 2025) के दौरान ऑपरेशन नारकोस के तहत कुल 5.30 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की जब्ती कर 283 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

राज्यव्यापी महापरीक्षा में जिले में 14 हजार से अधिक नवसाक्षर हुए शामिल

गौरेला पेंड्रा मरवाही। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली की संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा आयोजित बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा में जिले 12 हजार से अधिक नवसाक्षर हुए शामिल हुए। जिले के तीनों विकासखण्डों के 92 संकुल में 166 ग्राम पंचायतों एवं तीन नगरीय निकायों के 384 परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न कराई गई। जिसमें 384 केन्द्राध्यक्ष तथा 515 पर्यवेक्षक सह मूल्यांकनकर्ताओं की नियुक्ति करते हुए जिला एवं विकासखण्डों में सुचारू रूप से परीक्षा संचालन किया गया। परीक्षा की सफल संचालन हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तर पर मॉनिटरिंग दल द्वारा सतत् निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी ने बताया कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में परीक्षार्थियों के सुविधा के अनुसार नजदीक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के 384 परीक्षा केन्द्रों में 14 हजार 675 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विकासखण्ड गौरेला के शा.प्रा.शा. सेमरा, प्रा.शा. जोगियापारा, प्रा.शा. धनगंवा एवं पेंड्रा विकासखंड के मा.शा. सरखोर,मा.शा. नवागांव ,मा. शा. झाबर एवं मरवाही विकासखंड के प्राथमिक शाला अंडी, प्राथमिक शाला धोबहर का निरीक्षण किया । जहां 86 वर्ष के श्री मोहनलाल गुप्ता, महिला श्रीमती लक्ष्मी सोनी 75 वर्ष, ओमवती 65 वर्ष, आकंलन परीक्षा दिलाई। जिनका उत्साहवर्धन जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। जिला मॉनिटरिंग दल में श्री मुकेश कोरी-जिला नोडल अधिकारी, श्री संजय गुप्ता सहायक जिला नोडल, श्री बनवाली वासुदेव-प्राचार्य , श्रीमती उषा मित्रा, आलोक शुक्ला ब्लॉक नोडल द्वारा किया गया। नवसाक्षरों द्वारा उत्साह पूर्वक महापरीक्षा अभियान में हिस्सा लिया गया। परीक्षार्थियों का स्वागत फूल-माला एवं गुलदस्ता के साथ टीका लगाकर स्वागत किया गया। जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर कंट्रोल रुम भी बनाया गया जिससे पूरी परीक्षा की मानिटरिंग की गई, सम्पूर्ण परीक्षा के दौरान विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी संजय वर्मा, आर.एन. चन्द्रा, श्री एवं बी.आर.सी.सी. श्री संतोष सोनी, श्री अजय राय।

बिलासपुर में उल्लास साक्षरता आकलन परीक्षा: चालीस हजार से भी अधिक असाक्षरों ने 961 केंद्रों पर उल्लास मूल्यांकन परीक्षा में सहभागिता दर्ज की...

बिलासपुर। जिला बिलासपुर के चारों विकासखंडों—बिलासपुर, बेलतरा रोड, मस्तूरी और कोटा—सहित केंद्रीय जेल बिलासपुर में कुल 961 परीक्षा केंद्रों पर 'उल्लास' योजना की साक्षरता आकलन परीक्षा आयोजित हुई। असाक्षरों को साक्षर बनाने के बाद यह आकलन परीक्षा में 40777 से अधिक प्रशिक्षार्थियों ने शत प्रतिशत उत्साह के साथ भाग लिया, जिसमे 10943 पुरुष और 29822 महिला शामिल हैं जो राज्य स्तर पर ऐतिहासिक उपलब्धि है।परीक्षा शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। विदित हो कि उल्लास केंद्रों में स्थानीय भाषा में पढ़ना-लिखना, गणितीय आधार, डिजिटल साक्षरता और जीवन उपयोगी ज्ञान सिखाने का किया गया। जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अपील के दौरान कहा, उल्लास से बिलासपुर पूर्ण साक्षर जिला बनेगा। 40 हजार+ असाक्षरों की भागीदारी प्रेरणादायक है। केंद्रीय जेल के बंदी प्रशिक्षार्थियों ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई, जो सामाजिक पुनर्वास की मिसाल है।चारों विकासखंड में प्रशिक्षार्थियों ने उत्साह से परीक्षा दी। ग्रामीण महिलाओं और कोटा विकासखंड के आदिवासी क्षेत्रों से अधिक संख्या रही।उसीप्रकारकेंद्रीयजेल बिलासपुर में 100पुरुषऔर 33महिला बंदियों ने उल्लास परीक्षा साक्षरता आकलन परीक्षा दी केंद्रीय जेल के एक प्रशिक्षार्थी बोले, साक्षरता ने नई जिंदगी दी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया, उल्लास योजना से जिले में साक्षरता दर 20त्न बढ़ी।जिसकी राज्य सरकार ने सराहना की। यह अभियान छत्तीसगढ़ को पूर्ण साक्षर राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर होगा जिला प्रशासन ने सभी परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ केंद्राध्यक्षों तथा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की थी । परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए ब्लॉक और ग्राम स्तर पर समन्वय समितियाँ सक्रिय की गई थी । इस हेतु सयुंक्त संचालक शिक्षा , ने विशेष ऑब्जर्वर की नियुक्ति की थी तथा

जिला स्तर पर भी जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विकासखंडों के लिये निरिक्षण दल बनाए थे वही पर विकासखंड स्तर पर निरीक्षण दलों द्वारा भी उल्लास परीक्षा केन्द्रो का निरिक्षण किया गया सभी परीक्षा केन्दों में प्रश्न पत्रों का सील बंद पैकेट केंद्राध्यक्षों की निगरानी में रखवाई गई थी परीक्षा में अधिक से अधिक उपस्थिति के लिये चयनित ग्राम पंचायतों के सचिव आँगन वाडी कार्यकर्ता मितानिन पंच सरपंच आजीवका मिशन दीदियों एवं जागरूक नागरिकों सभी से कलेक्टर बिलासपुर श्री संजय अग्रवाल ताकि अधिक से अधिक परीक्षार्थी को केन्द्रों में ले जाकर आकलन परीक्षा में शामिल कराए जा सके विशेष शिक्षार्थी गण आकर्षण का केन्द्र रहे जैसे सास- बहू ,ननद -भौजाई ,तीन पीढ़ी के असाक्षर व्यक्ति , बुजुर्ग पति- पत्नी ,दूध मुहे बच्चे के साथ परीक्षा दिलाते हुए ,नव विवाहित दम्पति ,दिव्यांग ,आजीवका मिशन दीदी,स्व सहायता समूह असाक्षर महिलाएं ,रसोइया बहने कौशल्या 75 वर्ष और पुष्पा सूर्यवंशी 36 वर्ष दोनों मां बेटी एक साथ परीक्षार्थी शास प्राथमिक शाला देवरीकला विकासखंड तखतपुर

कोटा-देवरानी जेठानी सहित ननंद भाभी उल्लास राज्य व्यापी महापरीक्षाभियान आकलन परीक्षा में शामिल हुए

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत राज्य व्यापी महापरीक्षाभियान में परीक्षा केन्द्र मैंड्रापारा में गांव के श्रीमती पुन्नी बाई,श्रीमती सुरजौतिन श्रीमती सरोजनी, श्रीमती मोंगरा बाई, श्रीमती ईश्वरि बाई श्रीमती रामप्यारी यादव जो पारिवारिक संबंधों से देवरानी जेठानी सहित ननंद भाभी होते हैं।

इस बार ऑरेंज कैप के लिए कई दावेदार

आईपीएल में दो-तीन हजार रन बनाना चाहता हूं : वैभव

जब मजाकिया अंदाज में वैभव ने दिया जवाब

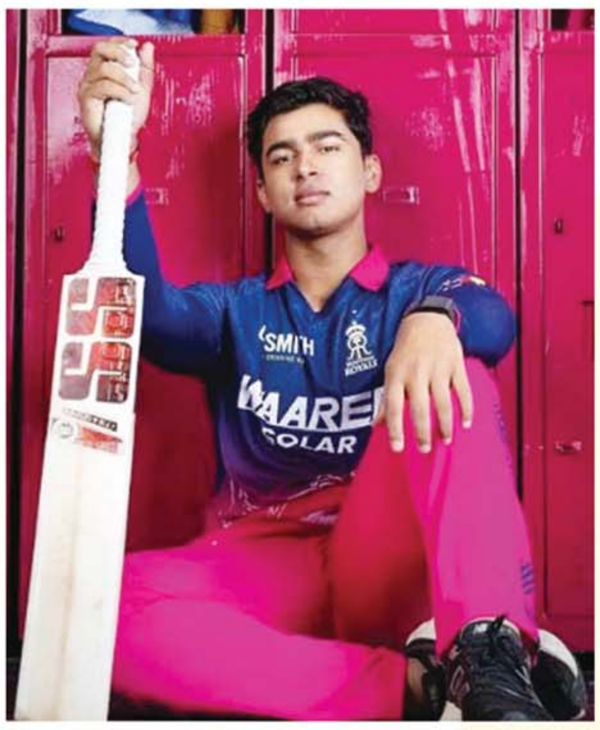

जयपुर। राजस्थान रॉयल्यस के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक कार्यक्रम में अपनी हाजिर जवाबी से सभी को हंसा दिया। वैभव यहां राजस्थान रॉयल्स के एक कार्यकम में शामिल हुए थे। इस दौरान वहां अन्य क्रिकेटर और टीम के प्रशंसा भी उपस्थित थे। इसी दौरान जब एक मीडियाकर्मी ने वैभव से पूछा कि वह इस बार आईपीएल में कितने रन बनाना चाहते हैं तो वैभव ने हल्के फुल्के अंदाज में कहा कि ऐसा सवाल मत पूछो नहीं तो मैं कह दूंगा कि मुझे दो तीन हजार रन बनाने हैं। इसपर सभी हंस पड़े। इसके बाद वैभव ने कहा कि कहा कि वह व्यक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि टीम के लिए खेलने पर भरोसा करते हैं। उनका लक्ष्य केवल बेहतर प्रदर्शन करना और टीम को जीत दिलाना रहेगा।

वैभव ने कहा कि ये पहले से नहीं बताया जा सकता है कि कितने रन बनाये जा सकते हैं। वह सिर्फ अपने काम पर ध्यान देंगे और टीम के लिए मैच जिताने वाली पारियां खेलेंगे। उनका मुख्य लक्ष्य टीम को जीत दिलाना है न कि अपना रिकार्ड बनाना। इस बल्लेबाज ने पिछल बार आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। तब सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाकर सभी को हैरान किया था। इसके अलावा अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में 175 रन की पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार टीम में बदलाव के बाद वैभव को शीर्ष क्रम में अधिक अवसर मिल सकते हैं और संजू सैमसन के नहीं होने के कारण उन्हें पारी की शुरुआत का भी अवसर मिल सकता है।

इरफान ने दी वैभव को सलाह

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल से ठीक पहले उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को नसीहत दी है कि उन्हें लीग में सफलता या असफलता को जरुरत से ज्यादा महत्व नहीं देना होगा। पठान के अनुसार अगर वैभव अधिक सफल होते हैं तो भी उन्हें अपने पैर जमीन पर ही रखने चाहिये और अगर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो हताश नहीं होना चाहिये। उन्हें संतुलन बनाये रखना होगा। वैभव ने केवल 15 साल की उम्र में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से हर किसी को खासा प्रभावित किया है। आईपीएल के पिछले सत्र में वह काफी अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे थे। तब उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह इस लीग में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने थे। वहीं, अंडर-19 विश्व कप 2026 में भी वैभव का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। पठान ने कहा, वैभव के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सफलता या असफलता को अपने ऊपर हावी न होने दें। यह काफी नाजुक उम्र है, क्योंकि वह अभी सिर्फ 15 साल के हैं ऐसें में अगर वह बहकते हैं तो करियर खराब हो जाएगा। अभी उनके सामने संभावित रूप से 20 साल का पेशेवर करियर पड़ा है। आज के समय में, जहां लंबे समय तक टिके रहना हमेशा प्राथमिकता नहीं होती और करियर छोटे हो सकते हैं। इसके बाद भी आप फिर भी 6 से 8 सालों में बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। हालांकि, वैभव कहीं ज्यादा आगे जा सकते हैं। यह जरूरी है कि कोई लगातार उनके साथ एक मार्गदर्शक के तौर पर रहे, एक अच्छा मेंटोर जो समय के साथ उन्हें सहारा दे सके, ठीक वैसी ही भूमिका जैसी जैसी पिछले साल राहुल द्रविड़ ने उनके साथ कोच के तौर पर निभाई थी।पठान ने कहा कि वैभव को अपने खेल में सुधार करते रहना होगा ताकि वह विरोधी टीमों का शिकार न बने।

धोनी ने प्रशांत की प्रशंसा करते हुए कहा-

आईपीएल में हैरान कर सकता है युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर

चेन्नई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर की जमकर प्रशंसा की है। प्रशांत को सीएसके ने आईपीएल नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसी का एक वीडियो सीएसके ने जारी किया है।

इस वीडियो में धोनी युवा ऑलराउंडर प्रशांत की प्रशंसा करते हुए कहते हैं ये ऑलरांउडर लीग में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर सकता है। धोनी कभी कभार ही किसी खिलाड़ी की तारीफ करते हैं, इसलिए उनकी बात को काफी महत्व दिया जाता है। अभ्यास सत्र में जब प्रशांत वीर बल्लेबाजी कर रहे थे तब विकेट के पीछे से धोनी उनपर नजर रखे थे। वीर ने ऑफ साइड में शानदार शॉट लगाया, जिस पर धोनी ने तुरंत तारीफ करते दिखे। इसके बाद वीर ने एक शानदार स्कूप शॉट खेला, जिस पर भी धोनी ने बाउंड्री होने का इशारा किया। इसके बाद प्रशांत ने सीधा स्ट्रेट ड्राइव खेला, जिसे देखने के बाद धोनी ने उनकी जमकर सराहना की। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। प्रशंसकों ने भी इस युवा खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की है। सीएसके के खेमें में भी इससे उत्साह छाया हुआ है।

प्रशांत वीर उत्तर प्रदेश के युवा ऑलराउंडर हैं, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिन गेंदबाज हैं। वह आमतौर पर निचले मुध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं। घरेलू क्रिकेट में अ अच्छे प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उन्हें अवसर मिला है। मिनी ऑक्शन में वह 14.20 करोड़ में बिके थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में आ गये थे। प्राशांत ने अंडर-23 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 7 मैचों में 376 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 94 और स्ट्राइक रेट 128.76 रहा।

तेज गेंदबाज आकाशदीप आईपीएल से बाहर हुए

मधवाल को मिल सकता है अवसर

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज आकाश दीप चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गये हैं। ऐसे में केकेआर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। आकाशदीप जैसे बेहतरीन गेंदबाज की कमी पूरी करना आसान नहीं है। इसी कारण अब टीम प्रबंधन नए विकल्प तलाशने में लग गयी है। इसी कारण अब उसकी नजरें तेज गेंदबाज़ आकाश मधवाल को शामिल करने पर लगी हैं। आकाश ने पूर्व में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेला है। आकाश दीप को केकेआर ने प्रमुख ने तेज़ गेंदबाज़ के तौर पर रखा था पर वह फिट नहीं होने से लीग से बाहर हो गये हैं। वह पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव से परेशान हैं। इसी कारण उन्हें करीब तीन महीने तक खेल से दूर रहना पड़ेगा। इससे साफ हो गया है कि वह इस पूरे सत्र में नहीं खेलेंगे। केकोर का को इस प्रकार दूसरा झटका लगा है। इससे पहले उनके तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा भी चोटिल होने के कारण सत्र से बाहर हो गये थे। अपने दो प्रमुख गेंदबाजों के खोने का प्रभाव मैच में नजर आयेगा। राणा को विश्वकप से पहले ही अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। दो तेज गेंदबाजों के बाहर होने से केकेआर की गेंदबाजी इकाई काफी कमजोर नजर आ रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर अब मधवाल को आकाश दीप के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल करने की योजना बना रही है। मधवाल पहले मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं और आईपीएल में अपने प्रदर्शन से पहचान बना चुके हैं। खासकर 2023 के एलिमिनेटर मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उन्होंने शानदार गेंदबाजी की थी। विकेट लेने की क्षमता इस गेंदबाज को विशेष बनाती है। वहीं इसके अलावा केकेआर युवा आरएस अंबरीश को भी टीम में शामिल करने पर विचार कर रही है। अंबरीश हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और उन्होंने टूर्नामेंट में 11 विकेट लेकर अपनी क्षमता साबित की थी।

जापान ने तीसरी बार जीता खिताब, फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से रौंदा

एएफसी विमेंस एशियन कप

नई दिल्ली। जापान ने एएफसी विमेंस एशियन कप 2026 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरी बार खिताब अपने नाम किया है। यह मुकाबला शनिवार को स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया में खेला गया। जापान ने इससे पहले 2014 और 2018 में यह खिताब जीता था। दोनों ही बार ऑस्ट्रेलिया को हराकर टाइटल अपने नाम किया था। मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 74,397 दर्शकों की रिकॉर्ड भीड़ के सामने फाइनल में शानदार शुरुआत की। स्ट्राइकर मैरी फाउलर ने एक सटीक लंबे पास के जरिए केटलिन फोर्ड तक गेंद पहुंचाकर इस मूव की शुरुआत की। फोर्ड ने कप्तान सैम केर के लिए गोल करने का एक बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन जापान की गोलकीपर यामाशिता ने शानदार बचाव करते हुए उस शॉट को रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 11वें मिनट में एक बार फिर गोल करने की कोशिश की, लेकिन जापान के मजबूत डिफेंस ने उन्हें रोका। ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती दबदबे के बावजूद, जापान ने खेल के प्रवाह के विपरीत जाते हुए 17वें मिनट में गोल दागा। हमानो ने पेनाल्टी एरिया के बाहर जगह बनाई, तेजी से घूमीं, और एक घुमावदार शॉट लगाया जो मैकेंजी अर्नोल्ड को छकाते हुए गोल के निचले कोने में जा समाया। इसके बाद जापान ने अपनी बेहतरीन पासिंग के दम पर खेल की रफ्तार को नियंत्रित किया। हालांकि, यामाशिता की एक गलत क्लीयरेंस के कारण ऑस्ट्रेलिया को बराबरी का सुनहरा मौका मिल गया, जब गेंद फोर्ड के पास जा गिरी। फोर्ड के शॉट को हाना ताकाहाशी ने डिफ्लेक्ट करके गोल बचा लिया। पहले हाफ के आखिरी पलों में जापान को अपनी बढ़त दोगुनी करने का एक और मौका मिला। डिफेंस की एक चूक के कारण हिकारू कितागावा को गोल करने का बेहतरीन मौका मिल गया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की गोलकीपर अर्नोल्ड ने उनके प्रयास को नाकाम कर दिया।

वापसी के लिए श्रेयस को बढ़ाना पड़ा वजन

मोहाली। पंजाब किंग्स टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह आईपीएल सत्र के लिए तैयार हैं। श्रेयस ने कहा कि कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और नए सत्र के लिए तैयार हैं। इस दौरान श्रेयस ने उस समय को याद किया जब ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के कारण उनका वजन भी काफी कम हो गया था। जिसे फिर से बढ़ाने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। श्रेयस को अक्टूबर में भारत की ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई एकदिवसीय सीरीज के दौरान पेट में गंभीर चोट लग गई थी। जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भी रहना पड़ा था। इसी कारण वह कई हफ्तों तक टीम से बाहर रहे और उन्हें रिहैब से भी गुजरना पड़ा। वहीं अब श्रेयस ने कहा है कि वह दौर उनके लिए काफी कठिन था। साथ ही कहा, 'चोट के बाद वापसी करना हमेशा ही कठिन होता है। मेरा वजन भी तकरीबन 7 किलो कम हो गया था पर राहत की बात ये रही कि दो माह बाद मैं फिर से फिट हो गया।'

इस बल्लेबाज ने कहा, '7 किलो वजन दोबारा बढ़ाना उनके लिए काफी कठिन काम था। मुझे चुनौतियां पसंद हैं और ये भी एक बड़ी चुनौती थी जिसे निकलना था। मैं खुश हूं कि उस दौर से निकलकर अब फिर से अपनी टीम से खेलने तैयार हूं।' श्रेयस को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान चोट लगी थी। अय्यर ने इस साल की शुरुआत में वापसी की थी, इससे उन्हें आईपीएल की तैयारी करने का अवसर मिल गया। इस खिलाड़ी का कहना है कि अब उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को ट्रॉफी जिताना रहेगा।

आईपीएल में अब तक विकेटकीपर के तौर पर संगकारा का रिकार्ड बरकरार

मुम्बई। इस माह के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 सत्र शुरु होगा। जिससे भी नये-नये रिकार्ड बनेंगे। अब तक हुए सत्रों में कई ऐसे रिकार्ड बने हैं जो अब तक कोई नहीं तोड़ पाया है। अब देखना है कि वह रिकार्ड इस सत्र में टूटता है या नहीं ये रिकार्ड है। विकेट के पीछ पांच शिकार करन का जो श्रीलंका के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा के नाम है। यहां तक कि महेन्द्र सिंह धोनी भी इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच पाये हैं। संगाकारा ने आईपीएल के चौथे सत्र में ये रिकार्ड बनाया था। तब साल 2011 में डेक्कन चार्जर्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से था। वहीं डेक्कन चार्जर्स की कप्तानी और विकेटकीपिंग कुमार संगाकारा कर रहे थे। उस मैच में संगाकारा ने विकेटों के पीछे से एक के बाद एक बेहतरीन कैच लेकर रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने 5 कैच लिए। संगाकारा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने तिलकरत्ने दिलशान, विराट कोहली और एबी डीविलियर्स जैसे दिग्गजों के खिलाफ ये रिकार्ड बनाया था। चेन्नई सुपरकिग्स के विकेटकीपर धोनी को दुनिया का सबसे तेज विकेटकीपर माना जाता है, जिनके नाम 0.08 सेकंड में स्टंपिंग करने का विश्व रिकॉर्ड है। धोनी ने आईपीएल करियर में कई बार एक मैच में 4 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा है पर पांच शिकार उन्होंने नहीं किये हैं। संगाकारा ने तिलकरत्ने दिलशान, एबी डिविलियर्स, सौरभ तिवारी, जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन के विकेट लिए। संगाकारा की बेहतरीन विकेटकीपिंग के कारण चार्जर्स ने मुकाबला 33 रन से जीता।

आईपीएल में 339 रन बनाते ही 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बना जायंगे विराट

मुम्बई। आईपीएल के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसा रिकार्ड अपने नाम करने जा रहे है जहां तक कोई और बल्लेबाज नहीं पहुंच पाया है। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। आईपीएल 2026 का पहला ही मुकाबला आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 28 मार्च को खेला जाना है। इस सत्र में विराट कोहली 339 रन बनते ही आईपीएल लीग में 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन जायेंगे।

दो बार ऑरेंज कैप विजेता विराट कोहली के लिए ये मुश्किल भी नहीं है। वह हमेशा ही आईपीएल में 500 से अधिक रन बनाते आये हैं। ऐसे में वह इस बार लीग के इतिहास में 9000 रन बनाने वाले वह पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली का पिछले तीन सत्र में औसत 53 से ऊपर रहा है विराट ने साल 2023 में 53.25 की औसत से 639, 2024 में 61.75 की औसत से 741, और 2025 में 54.75 की औसत से 657 रन बनाए थे।

कोहली के पिछली बार 2025 में किए गए प्रदर्शन की आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका रही है। साल 2008 से आरसीबी के लिए खेल रहे विराट ने 267 मैचों में 39.55 की औसत और 132.86 की स्ट्राइक रेट से 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8661 रन बनाए हैं। विराट लीग में 8,000 रन पूरा करने वाले भी एकमात्र बल्लेबाज हैं। साथ ही, लीग में सर्वाधिक शतक का रिकॉर्ड भी उनके नाम ही है.वहीं दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। रोहित ने 272 मैचों की 267 पारियों में 2 शतक और 47 अर्धशतक लगाते हुए 7046 रन बनाए हैं। वहीं शतक के मामले में जोस बटलर दूसरे नंबर पर हैं। बटलर के नाम आईपीएल में 7 शतक हैं। बटलर के पास इस सत्र में शतकों के मामले में कोहली को पीछे करने का अवसर होगा।

एक सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड है हर्षल और ब्रेवो के नाम

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन इस माह के अंत में शुरु हो रहा है। ऐसे में अब तक हुए आईपीएल मुकाबलों और उनमें बने रिकार्डों को लेकर चर्चाएं होती रहती हैं। इसी में से एक रिकार्ड है सबसे अधिक विकेट का। अब तक कई गेंदबाजों ने आईपीएल में काफी विकेट लिए हैं पर किसी एक सत्र में सबसे अधिक विकेट की बात की जाये तो वह रिकाड अबतक संयुक्त रुप से दो गेंदबाजों हर्षल पटेल और ड्वेन ब्रावो नाम है। आरसीबी के हर्षल ने साल 2021 में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 15 मुकाबलों में कुल 32 विकेट लिए थे। उनका ये रिकार्ड अब तक कायम है अब देखना है कि इस सत्र में कोई गेंदबाज इसे तोड़ पाता है या नहीं। हर्षल ने आईपीएल 2021 में आरसीबी की ओर से खेलते हुए 15 मुकाबलों में 32 विकेट लिए थे। इस सत्र उन्होंने एक मुकाबले में 5 विकेट लिए थे। वहीं ड्वेन ब्रावो: ने आईपीएल 2013 में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए 32 विकेट निकाले थे। ब्रावो ने 18 मुकाबलों में केवल 7.95 की इकोनॉमी से रन दिये किए थे। ब्रावो की बेहतरीन गेंदबाजी के बल पर चेन्नई सुपर किंग्स फाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए आईपीएल 2020 में कगिसो रबाडा ने 17 मुकाबलों में कुल 30 विकेट लिए थे ओर वह इस प्रकार दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा ने इस सत्र में 2 मुकाबलों में 4 विकेट लेने का कारनामा किया था।लसिथ मलिंगा ने आईपीएल 2011 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए लसिथ मलिंगा ने 16 मुकाबलों में कुल 28 विकेट लिए थे और वह तीसरे नंबर पर हैं। इस सीजन 13 रन देकर 5 विकेट मलिंगा का बेस्ट प्रदर्शन रहा था। जेम्स फॉकनर ने राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए जेम्स फॉकनर आईपीएल 2013 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। फॉकनर ने इस सीजन 16 मुकाबलों में सिर्फ 6.75 की इकोनॉमी से रन देते हुए 28 विकेट लिए थे। वहीं मोहम्मद शमी ने गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए 17 मुकाबलों में 28 विकेट का रिकार्ड है।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं, 44 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीते सोमवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के द्वारा कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर एवं दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया। प्रशासन की तत्परता के चलते कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे आवेदकों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखने को मिला। सोमवार को आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदाय, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर सुश्री ममगाई ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश कुमार भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

करपावड क्षेत्र में आदिवासी समाज की बैठक, फिजूलखर्ची रोकने का लिया संकल्प

करपावड /मूक पत्रिका

बिजागुड़ा क्षेत्र में आदिवासी समाज के लोगों द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सामाजिक कुरीतियों और अनावश्यक खर्चों को लेकर गंभीर चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाकर फिजूलखर्ची पर रोक लगाना रहा।

बैठक में विशेष रूप से शादी-विवाह के दौरान होने वाले अत्यधिक खर्च, जैसे शराब, महंगे कपड़े और दिखावटी व्यवस्थाओं पर चिंता व्यक्त की गई। समाज के लोगों ने एकमत होकर कहा कि इस तरह की फिजूलखर्ची से आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक असर पड़ता है, इसलिए इससे बचना जरूरी है। इस दौरान महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि समाज और परिवार को सही दिशा देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए वे इस अभियान को आगे बढ़ाने में सक्रिय योगदान देंगी। बैठक में गांव के वरिष्ठ नागरिक, युवा वर्ग एवं जनप्रतिनिधियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। जनप्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की उन्नति के लिए सादगी अपनाना जरूरी है और विवाह जैसे आयोजनों को सरल एवं संस्कारपूर्ण तरीके से मनाया जाना चाहिए। साथ ही लोगों को समझाइश दी गई कि अनावश्यक खर्चों से बचकर शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक क्षेत्रों में निवेश करना चाहिए, जिससे समाज का समग्र विकास संभव हो सके। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन जैसे बुधसन कश्यप, धरमू बघेल, कौड़ीराम, पूर्व जनपद सदस्य दिनेश भारती, जनपद सदस्य नवल भारती, कमल बघेल, राम प्रसाद, फूलमती दास, जयंती कश्यप, कमली नेम, हरिचंद, कौशल्या यादव, रायको भारती सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि वे स्वयं फिजूलखर्ची से बचेंगे और समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

मेधावी छात्र-शिक्षक अहमदाबाद रवाना, स्पेस सेंटर में सीखेंगे विज्ञान की बारीकियां

कलेक्टर-सीईओ ने दिखाई हरी झंडी; पीएम श्री स्कूलों के 5 संस्थानों के छात्र शामिल

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं और उत्कृष्ट शिक्षकों को सोमवार को शैक्षणिक भ्रमण के लिए अहमदाबाद रवाना किया गया। कलेक्टर संबित मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे ने हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया। पीएम श्री योजना के तहत जिले के 5 विद्यालयों से चयनित छात्र इस भ्रमण में शामिल हैं। ये छात्र अहमदाबाद के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर का दौरा करेंगे, जहां उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान और आधुनिक तकनीक से जुड़ी जानकारी मिलेगी। अधिकारियों ने छात्रों से कहा कि इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं और जो भी नया सीखें, उसे अपने भविष्य में उपयोग करें।

कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल धनेलिया और जिला मिशन समन्वयक गुडला शंकर भवानी की देखरेख में पूरी व्यवस्था की गई। रवानगी के दौरान एपीसी जाकिर खान, सहायक खेल अधिकारी सुब्बैया दुर्गम और पीएम श्री के नोडल अधिकारी मनोज कुमार कावटी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शहीद दिवस पर भाजयुमो ने भगत सिंह चौक में दी श्रद्धांजलि, वीर जवानों को किया नमन

चांपा/मूक पत्रिका

23 मार्च शहीद दिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर मंडल चांपा के तत्वावधान में भगत सिंह चौक में पुष्पांजलि अर्पित कर अमर शहीदों को याद किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से भगत सिंह के बलिदान को नमन करते हुए बलिदान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी एवं मोर्चा पदाधिकारियों ने शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में भाजपा नगर महामंत्री राम वल्लभ सोनी व गोपीचंद बरेठ, भाजपा नगर मंडल उपाध्यक्ष मंगल चंद देवांगन व नरेंद्र ताम्रकार, भाजयुमो नगर मंडल अध्यक्ष लव कुमार देवांगन, महामंत्री प्रदीप यादव व आदर्श पाण्डेय, भाजयुमो पूर्व अध्यक्ष रिंकू मोदी, जिला मंत्री देवव्रत देवांगन, पार्षद संतोष, भाजपा नगर मंत्री गौतम यादव, बुनकर प्रकोष्ठ जिला सहसंयोजक संजय देवांगन, अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष विक्रांत सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला पदाधिकारी सत्या सोनी, मनोज देवांगन, सुधीर सोनी, विकास सोनी, शैलेन्द्र देवांगन, उमेश चोबे, लक्ष्मी पटेल, जयेश साहू, अमर देवांगन, देवेश देवांगन, शुभम कंसारी, लाला देवांगन, सोमू कुम्हार, आकाश कुमार, धीरज देवांगन सहित समस्त पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। वक्ताओं ने कहा कि शहीदों का बलिदान देश की अमूल्य धरोहर है, जिससे प्रेरणा लेकर युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम का समापन 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ हुआ।

बेमेतरा-कवर्धा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने वालों पर कार्रवाई, कई नामजद आरोपियों पर केस दर्ज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा-कवर्धा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर रास्ता अवरुद्ध कर आम लोगों के आवागमन में बाधा उत्पन्न करने के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। घटना 22 मार्च 2026 की सुबह करीब 10:30 बजे ग्राम अगरी तेंदो मोड़ के पास की है, जहां कुछ लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी कर टेंट और मेट बिछाकर सड़क जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार गिरधर गढेवाल, शिवसिंह चंद्राकर, कपिल चंद्राकर, मानसिंह चंद्राकर, डिकेश चंद्राकर सहित अन्य ग्रामीण (निवासी ग्राम करही) बड़ी संख्या में एकत्र होकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैठ गए। इस दौरान कवर्धा निवासी तुकाराम चंद्रवंशी भी मौके पर पहुंचकर उनके साथ बैठकर समर्थन किया।सड़क जाम की वजह से सुबह 10:30 बजे से शाम लगभग 4:30 बजे तक दोनों ओर लंबा जाम लगा रहा, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।मामले में थाना खम्हरिया पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्हस्) की धारा 189(2) और 126(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करना गंभीर अपराध है और सांकेतिक प्रदर्शन के नाम पर आम जनता को परेशान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

विवाद के दौरान रिटायर्ड फौजी ने की फायरिंग, युवक की जांघ में लगी, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

पामगढ़ थाना क्षेत्र के ब्यासनगर स्थित विकास नगर में सोमवार को गोलीकांड की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। विवाद के दौरान एक रिटायर्ड फौजी ने लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग कर दी, जिसमें एक युवक की जांघ में गोली लग गई। घायल युवक को गंभीर हालत में पहले पामगढ़ सीएचसी और बाद में बिलासपुर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, विकास नगर निवासी शैलेन्द्र साहू अपने साथियों के साथ हिमांशु किराना स्टोर के पास गाली-गलौज कर रहा था। दुकान संचालक हिमांशु श्रीवास द्वारा मना करने पर विवाद बढ़ गया। इसी दौरान हिमांशु के भाई, रिटायर्ड आर्मी सिग्नल कोर के हवलदार गुलशन श्रीवास ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से पहले हवाई फायर किया। युवकों के शांत न होने पर दूसरी गोली चलाई गई, जो पकंज कश्यप की जांघ में जा लगी।

गोली लगते ही युवक लहूलुहान हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हलचल मच गई। मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, एसडीओपी प्रदीप सोरी, पामगढ़ टीआई सावन सारथी, मुलमुला टीआई पारस पटेल सहित पुलिस स्टाफ पहुंचा और घटनास्थल का मुआयना किया।पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी गुलशन श्रीवास और उसके सहयोगी के खिलाफहत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। वहीं, दूसरे पक्ष की शिकायत पर कुछ युवकों के विरुद्ध भी प्रकरण कायम किया गया है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

देवकर में जुआ पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 9 जुआड़ी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में साइबर सेल और चौकी देवकर पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जुआ खेल रहे 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 22 मार्च को मुखबिर से सूचना मिली थी कि देवकर स्थित मंगल भवन के पीछे बगीचा नदी किनारे कुछ लोग रुपए-पैसों का दांव लगाकर ÷काट पत्ती÷ नामक जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को आते देख कुछ लोग भागने में सफल रहे, जबकि 9 जुआड़ियों को मौके पर पकड़ लिया गया।कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से कुल 1,43,380 रुपये नगद, विभिन्न कंपनियों के 12 मोबाइल (कीमत लगभग 95,000 रुपये) तथा 52 पत्ती ताश जब्त किए गए। कुल जब्ती राशि 2,38,380 रुपये आंकी गई है।पकड़े गए आरोपियों में विजय वर्मा उर्फ धन्नू, राहुल पांडे, कैलाश शर्मा, सुरज कुंजाम, डिकेश कहार, मिथुन कुंजाम, दिनेश साहू, मोहन सिन्हा और प्रकाश अग्रवाल शामिल हैं। सभी के विरुद्ध चौकी देवकर थाना साजा में छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इस पूरी कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अलील चंद सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राहत एवं सहायता राशि समय पर उपलब्ध कराने और कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने पर विशेष जोर

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार प्रकरणों की समीक्षा, पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के दिए गए सख्त निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से जुड़े प्रकरणों की गंभीरता को देखते हुए बीते सोमवार को जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में जिला पंचायत के सभागृह में आयोजित हुई, जिसमें जिला पंचायत सीईओ हेमलता पदमाकर ने बैठक ली इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। सीईओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि न्यायालयों में लंबित मामलों में तेजी से कार्रवाई की जाए और पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सीईओ ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों को शासन द्वारा निर्धारित राहत एवं सहायता राशि तुरंत उपलब्ध कराई जाए। साथ ही पीड़ितों, उनके आश्रितों एवं साक्षियों को यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता, भरण-पोषण सहायता तथा आवश्यक परिवहन सुविधा समय पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना सहित अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिलाया जाए और स्वीकृति से संबंधित सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। सीईओ ने यह भी निर्देश दिए कि अत्याचार से संबंधित मामलों में अपराध की सूचना मिलते ही संबंधित पुलिस अधिकारी तत्परता से अपराध दर्ज करें, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाए तथा विशेष न्यायालय में समय पर चालान प्रस्तुत किया जाए। साथ ही विशेष लोक अभियोजक द्वारा प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने और अपील योग्य मामलों में समय पर अपील की कार्रवाई करने पर भी जोर दिया गया। बैठक के अंत में सीईओ ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोगों को न्याय, सुरक्षा और शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिलना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।